चाइल्डलाइन इंडिया फाउन्डेशन (सीआईएफ) की ओर से प्रकाशन

hello childline

संस्करण ७१ • जनवरी २०१५

बेस्ट इंटरनैशनल शॉर्ट फिल्म
फिक्की बेस्ट एनिमेटेड फ्रेम्स बीएएफ अवॉर्ड्स 2014

बेस्ट कॉर्पोरेट फिल्म
पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया नैशनल अवॉर्ड 2014

ऑफिशियल सिलेक्शन :
एनिम आर्ट फेस्टिवल 2014, ब्राज़ील

ऑफिशियल सिलेक्शन :
सारोकोकालो इंटरनैशनल शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल, ग्रीस

२रा पुरस्कार
बेस्ट हाउस जर्नल
पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया नैशनल अवॉर्ड 2013

३रा पुरस्कार
बेस्ट हाउस जर्नल
पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) नैशनल अवॉर्ड 2014

चाइल्डलाइन जरूरतमंद बच्चों की देखभाल और सुरक्षा के लिए एक राष्ट्रीय, चौबीस घंटों के लिए, मुफ्त, आपातकालीन, फोन आउटरीच सेवा है; जो उनको दीर्घकालिक पुनर्वास और देखभाल से जोड़ती है।

CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY

संपादक की मेज से

प्रिय चाइल्डलाइनर,

चाइल्डलाइन के लिए, वर्ष 2014 बहुत रोमांचक वर्ष था। 2014–2015 में हमारे 500 से अधिक चाइल्डलाइन पार्टनर संगठनों के नेटवर्क; पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) नैशनल अवॉर्ड 2013, मंथन साउथ एशिया एंड पेसिफिक अवॉर्ड 2013, फिक्की बेस्ट एनिमेटेड फ्रेम्स (बीएएफ) अवॉर्ड्स 2014 और 5वें नैशनल सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ एम्प्लॉयमेन्ट फॉर डिसएबल्ड पीपल (एनसीपीईडीपी) – एमफेसिस युनिवर्सल डिज़ाइन अवॉर्ड्स 2014 में प्रतिष्ठित सम्मानों द्वारा प्रशंसा के माध्यम से 260 से अधिक शहरों को कवर करने के लिए सेवा में विस्तार किया है।

2015 में नए वर्ष में प्रवेश करते हुए, मैं आपको सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभ कामनाएँ देता हूँ। हम सभी जानते हैं कि हमारे आगे काफी घटनाओं से भरपूर वर्ष है। हैलो चाइल्डलाइन के नव वर्ष के इस अंक में बहुत सी दिलचस्प नवीन खोजों, हस्तक्षेप वाले मामलों और देश भर में चाइल्डलाइन की उपलब्धियों के बारे में बताया गया है। नियमित खंडों के अलावा, इस अंक में ङ्कचाइल्डलाइन से दोस्तीङ्क गतिविधियों को भी शामिल किया गया है। देश भर में चाइल्डलाइन से दोस्ती गतिविधियों से स्टैंडर्ड मैराथॉन 2015 में चाइल्डलाइन की प्रतिभागिता, आंध्र प्रदेश के तडेपल्लिगुडम से यौन उत्पीड़न की शिकार 15 नाबालिग लड़कियों को छुड़ाना, चाइल्डलाइन हेल्पलाइन्स ज़ाम्बिया और नेपाल टीमों के दौरे, यूएनसीआरसी के 25 वर्षों पर विशेष लेख तक, हम आपके लिए चाइल्डलाइन में कही गई कई छोटी कहानियाँ लाए हैं।

चाइल्डलाइन को इस बार भी बेस्ट हाउस जर्नल पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) नैशनल अवॉर्ड 2014 में प्रतिष्ठित सम्मान पाकर प्रशंसा मिली है। सीआईएफ एनुअल रिपोर्ट को बेस्ट जर्नल रिपोर्ट के अंतर्गत दूसरा पुरस्कार और हैलो चाइल्डलाइन को इंग्लिश में बेस्ट हाउस जर्नल के अंतर्गत तीसरा पुरस्कार मिला।

आगे बढ़ते हुए, हम आपके निरंतर सहयोग, विचारों पर भरोसा करते हैं और आने वाले वर्ष में कई और उपलब्धियाँ हासिल करने की आशा रखते हैं। 2015 के गति पकड़ने के साथ ही हम आगामी अंकों में किसी भी विकास के बारे में आपको सूचित करने का आश्वासन देते हैं। हम आगामी पत्रिकाओं के लिए आपके इनपुट्स का स्वागत करते हैं और आपसे ईमेल, ट्विटर और फेसबुक के जरिए संपर्क में बने रहने का निवेदन करते हैं।

आशा है आपको यह अंक पढ़कर मज़ा आया होगा

शुभ कामनाओं के साथ!

खुश रहो और पढ़ने का मज़ा लो

अगले अंक तक!

चाइल्डलाइन क्या है?

चाइल्डलाइन, बच्चों की सेवा व संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर की 24 घंटे, मुफ्त, आपातकालीन की फोन आउटरीच सेवा है। 1996 में मुम्बई में इसकी शुरूआत हुई और अब देश भर के 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 285 शहरों में यह संस्था अपनी सेवाएँ प्रदान कर रही है।

चाइल्डलाइन का उद्देश्य अधिकारहीन बच्चों का पुनर्वास करना और असुरक्षित स्थितियों से देखभाल करना है। चाइल्डलाइन आवासीय स्थलों में राहत और पुनर्वास, चिकित्सा लाभ, प्रत्यावासन, बचाव,भावनात्मक सहयोग व मार्गदर्शन प्रदान करती है।

भारत भर में **चाइल्डलाइन** प्रोजेक्ट को एकीकृत बाल सुरक्षा योजना (इंटीग्रेटेड चाइल्ड प्रोटेक्शन स्कीम) के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग के केंद्रीय मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी) का समर्थन प्राप्त है।

इस अंक में

मामले का अध्ययन
पृष्ठ 03–05
चाइल्डलाइन की 'कोमल' फिल्म
पृष्ठ 06–08
चाइल्डलाइन से दोस्ती 2014
पृष्ठ 20–39
यूएनसीआरसी...25
पृष्ठ 40–41

मामले का अध्ययन

ढाबे से घर तक – चाइल्डलाइन ने कुलदीप को उसके परिवार से मिलाया

भारत में, ढाबों, जूस सेंटरों और टी स्टॉल्स पर बच्चों को काम करते देखना एक आम बात है। अक्सर गरीब परिवार अपने बच्चों से काम करने की उम्मीद रखते हैं और कई मामलों में तो वे बच्चे अपने परिवार का अकेले भरन–पोषण करते हैं। कइयों का अपहरण करके इस पिसने वाले काम में धकेला में जाता है। चाइल्डलाइन द्वारा कुलदीप को छुड़ाने और उसके परिवार के साथ मिलाने के बारे में पढ़ें।

चाइल्डलाइन को शहर के एक वकील श्री विक्रम सिंह चौहान से एक कॉल आई, जिन्होंने पास के एक ढाबे में काम कर रहे एक नाबालिग बच्चे के बारे में बताया। बच्चा बहुत ज्यादा थका हुआ और बीमार सा लग रहा था। वकील साहब चिंतित थे और उन्होंने **चाइल्डलाइन** से तुरंत उस बच्चे की सहायता करने के लिए आग्रह किया।

बच्चे के बारे में जानकारी पाते ही टीम के सदस्य तुरंत उस जगह पर पहुँचे। वे तकलीफग्रस्त और थका सा दिखने वाले बच्चे से मिले। पूछताछ करने पर, टीम सिर्फ मालिक का नाम पता कर सकी। बच्चा अन्य कोई विवरण नहीं बता सका। टीम ने विवरणों का सत्यापन किया और चाइल्ड वेल्फेयर कमिटी (सीडब्ल्यूसी) के साथ साथ श्रम इंस्पेक्टर को भी सूचित किया। उस ढाबे पर पिछले पाँच सालों से काम कर रहे उस बच्चे को **चाइल्डलाइन** भिंड ने छुड़ाया।

उसके बाद उस लड़के को करीबी सरकारी अस्पताल ले जाया गया क्योंकि उसे मेडिकल जाँच की सख्त जरूरत थी। पारमर्श सत्र के दौरान, बच्चे ने बताया कि उसे एक ट्रक ड्राइवर उसके गाँव से उठा लाया था और फिर उसे भिंड लाकर अपने पेट खुद भरने के लिए छोड़ गया था। वह अपने परिवार के विवरण और अपने घर का पता तो नहीं बता सका लेकिन उसने इतना जरूर बताया वह झारखंड के अक्रेही गाँव में रहता था। उसने यह बताया कि ढाबे वाले ने थोड़े काम के बदले उसे खाना, कपड़े और रहने का आसरा देने का वादा किया था। लेकिन, उसने कहा कि उसे कुछ वेतन नहीं दिया जाता था और उसने अपने घर जाने की इच्छा जताई।

चाइल्डलाइन टीम तुरंत कलेक्टर से मिली और उनको मामले के सारे विवरण दिए। कलेक्टर ने श्रम विभाग को मामले में हस्तक्षेप करने और उनको इस मामले के बारे में जल्द से जल्द जानकारी देने का आदेश दिया। **चाइल्डलाइन** टीम ने बच्चे को आश्वासन दिया कि श्रम विभाग, सीडब्ल्यूसी और कानून व्यवस्था की सहायता से उसे अपने काम की भरपाई जरूर मिलेगी। जब मामले पर काम चल रहा था, तब **चाइल्डलाइन** के सदस्यों से बच्चे को भावनात्मक सहयोग दिया गया। **चाइल्डलाइन झारखंड** को बच्चे के बारे में सूचित किया गया और उसके माता–पिता को खोजकर उनसे मिले।

सीडब्ल्यूसी ने ढाबे के मालिक को उस बच्चे को फिक्स्ड डिपॉज़िट के तौर पर रु.2000/– और रु.5,000 नकद देने को कहा। ढाबे का मालिक मान गया और सीडब्ल्यूसी ने **चाइल्डलाइन** को बच्चे को घर वापस पहुँचाने का आदेश दिया। झारखंड पहुँचने के बाद बच्चे को वहाँ की सीडब्ल्यूसी के समक्ष पेश किया गया और बच्चा उसके माता पिता को सौंप दिया गया।

माता–पिता ने **चाइल्डलाइन** टीम को बताया कि वह समझ रहे थे कि उनका बच्चा खाई में गिरकर मर गया है और अपने बच्चे को सुरक्षित रूप से वापस पाकर बेहद खुश हैं।

चाइल्डलाइन ने 15 नाबालिग लड़कियों को यौन उत्पीड़न से छुड़ाया

*हैरत में डालने वाला एक किस्सा सामने आया, आंध्र प्रदेश के तडेपल्लिगुडम में अपने स्कूल प्रिंसिपल द्वारा यौन उत्पीड़न का शिकार बनाई जा रही थी, **चाइल्डलाइन इलुरु** ने पुलिस की मदद से उन्हें छुड़ाया।*

चाइल्डलाइन इलुरु टीम को एक लड़की का सनशाइन हाई स्कूल के संस्थापक और प्रिंसिपल द्वारा किए जा रहे अभद्र व्यवहार के बारे में बताने के लिए कॉल आया। सातवीं कक्षा की छात्रा उसके व्यवहार से इतनी तंग आ चुकी थी कि उसने आखिरकार 1098 पर कॉल करने और उसके व्यवहार के बारे में शिकायत करने की हिम्मत जुटाई। **चाइल्डलाइन** टीम ने तुरंत नोडल कोऑर्डिनेटर और कोलैब डायरेक्टर रेव.फादर डॉ. अड्डांकी राजू को सूचित किया और उनकी सलाह से टीम ने बचाव कार्य की योजना बनाने के लिए सिटी इन चार्ज (सीआईसी) से संपर्क किया।

सीआईसी ने टीम को बचाव के लिए स्कूल के ओर बढ़ने से पहले आरोपों के संबंध में क्षेत्र से सारे तथ्य जमा करने और समाज के लोगों से स्कूल एवं प्रिंसिपल के बारे में प्रश्न पूछने को कहा। **चाइल्डलाइन** के सदस्यों के आस पास के क्षेत्रों से आवश्यक जानकारी जमा करने में 4 दिनों तक मेहनत की। वहाँ की स्थिति को अच्छी तरह समझने के लिए उन्होंने छात्रों के अभिभावकों से भी बातचीत की। उन्होंने सनशाइन हाई स्कूल में अपने बच्चों का दाखिला कराने के इच्छुक अभिभावकों जैसा अभिनय किया और इस तरह स्कूल और उसके प्रिंसिपल के बारे में सच्चाई जानी। स्कूल के

मामले का अध्ययन

आस पास रहने वाले कुछ लोगों ने प्रिंसिपल द्वारा यौन शोषण किए जाने की घटनाओं की पुष्टि की। यह भी पता चला कि जब कुछ अभिभावकों ने प्रिंसिपल से उनसे इस तरह के व्यवहार पर सवाल उठाए, तब वह बड़ी चतुराई से बच निकला और उसने शिकार बच्चों के अभिभावकों के साथ समझौता करके मामले को रफा–दफा कर दिया।

सारी आवश्यक जानकारी जमा करने के बाद सीआईसी ने स्कूल में बचाव कार्य करने के लिए 6 सदस्यों की एक टीम तैयार की। 6 सदस्यों की इस टीम में **चाइल्डलाइन** नोडल और कोलैब ऑफिस के को–ऑर्डिनेटर्स, एक सलाहकार और **चाइल्डलाइन** के 3 सदस्य थे। स्कूल में प्रवेश करने से पहले, कोलैब को–ऑर्डिनेटर ने मंडल शिक्षा अधिकारी को कॉल करके इस कार्य में भाग लेने को कहा और जरूरत पड़ने पर सहयोग करने का निवेदन किया।

अगले दिन सुबह टीम ने स्कूल प्रिंसिपल से संपर्क करके कहा कि जिला कलेक्टर ने **चाइल्डलाइन** को आस पास के सभी स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाने का आदेश दिय अहै। यह सुनकर, प्रिंसिपल ने अपने स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम चलाने की अनुमति दे दी। जागरूकता कार्यक्रम के लिए 6 सदस्यों की टीम ने लड़कों और लड़कियों के अलग अलग समूह बना दिए।

सभी लड़कियों को एक अलग कक्षा में ले जाया गया और उनको लगभग 30 मिनट तक 1098 सेवा के बारे में समझाया। उसके बाद को–ऑर्डिनेटर ने पूछा कि उन लड़कियों को 1098 नंबर के बारे में मालूम है या नहीं। ज्यादातर लड़कियों ने सहमति में उत्तर दिया और कहा कि वे तडेपल्लिगुडम में पहले आयोजित किए गए जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से 1098 के बारे में जानती हैं और उन्होंने उस नंबर को अपने स्कूल की पाठ्य पुस्तकों पर भी देखा है। फिर को–ऑर्डिनेटर ने लड़कियों से पूछा कि क्या वे अपनी किसी ऐसी समस्या के बारे में उनको बताना चाहती हैं जिसका उनको सामना करना पड़ रहा है।

टीम ने गौर से देखा तो पाया कि लड़कियाँ आपस में कुछ फुसफुसा रही थीं और साफ दिख रहा था कि वे कुछ कहना चाह रही हैं लेकिन कहने में झिझक रही हैं। कुछ देर बाद, एक लड़की खड़ी हुई और बोली, "सर, मैंने हाल ही में 1098 पर फोन किया था।" उसे डरी हुई देखकर, **चाइल्डलाइन** टीम ने सभी लड़कियों को सहयोग देने और मामले को सुलझाने में सहायता करने का आश्वासन दिया। यह सुनकर लड़कियों ने थोड़ी राहत की साँस ली और धीरे–धीरे, एक के बाद एक; उन्होंने प्रिंसिपल और उनके प्रति उसके व्यवहार की शिकायत करनी शुरू कर दी। इस समय पर **चाइल्डलाइन** टीम हर बच्चे के बयान रिकॉर्ड कर रही थी और पाया गया कि कुल 25 लड़कियों में से 15 के साथ स्कूल प्रिंसिपल ने छेड़छाड़ की थी।

बयान रिकॉर्ड करने के तुरंत बाद नोडल को–ऑर्डिनेटर ने मंडल शिक्षा अधिकारी को कॉल किया और स्कूल में होने वाले यौन उत्पीड़न के बारे में सूचित किया। जल्द ही एमईओ स्कूल पहुँच गए, उन्होंने लड़कियों से बात करके आरोपों के सच होने की पुष्टि की। केंद्र के को–ऑर्डिनेटर ने एमईओ को लिखित शिकायत दी और मामला दर्ज करने के लिए डेप्युटी पुलिस सुपरिटेन्डेंट को कॉल किया। उसके बाद डेप्युटी पुलिस सुपरिटेन्डेंट ने तडेपल्लिगुडम के एसआई को जरूरी कार्रवाई करने को कहा। एसआई ने लड़कियों से पूछताछ की और तुरंत प्रिंसिपल को गिरफ्तार कर लिया। यह मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 354 और प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सैक्सुअल ऑफेन्सिस (पोक्सो) अधिनियम 2012 की धारा 10 के अंतर्गत दर्ज किया गया।

प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सैक्सुअल ऑफेन्सिस (पोक्सो) अधिनियम 2012

प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सैक्सुअल ऑफेन्सिस अधिनियम 2012 पूरे भारत में लागू है। यह अधिनियम 18 साल से कम आयु वाले हर व्यक्ति को "बच्चा" के रूप में परिभाषित करता है और 18 साल से कम आयु वाले सभी बच्चों को यौन शोषण से सुरक्षा प्रदान करता है। यह बच्चों को कानूनी कार्रवाई के सभी सतरों से भी बचाता है और "बच्चे के बेहतरीन हित" के सिद्धांत को सर्वोच्च महत्व देता है। इस अधिनियम द्वारा बच्चों के खिलाफ होने वाले पाँच अपराध कवर किए जाते हैं, जो हैं: पेनिट्रेटिव और एग्रीवेटेड पेनिट्रेटिव सैक्सुअल असॉल्ट, सैक्सुअल और एग्रीवेटेड सैक्सुअल असॉल्ट, सैक्सुअल हैरासमेन्ट और बच्चे को पोर्नोग्राफिक उद्देश्य के लिए इस्तेमाल करना। यह अधिनियम इसमें बताए गए अपराधों को करने के लिए उकसाने या कोशिश के लिए भी दंड देने पर ज़ोर देता है। इसके अंतर्गत भले ही सफल रहने पर भी, अपराध करने की मंशा भी दंडनीय है।

यह अधिनियम सुझाव देता है कि यदि किसी व्यक्ति को अपराध होने की संभावना की शंका या माना हो कि अपराध हुआ है, उसकी मामले की मीडियाकर्मियों, होटल/लॉज के स्टाफ, अस्पतालों, क्लबों, स्टूडियोज़ या तस्वीरें लेने वाले स्थलों जैसे लोगों को सूचना देने की नैतिक जिम्मेदारी बनती है।

रिपोर्ट न करने पर छः महीने तक जेल या जुर्माना या दोनों वाल दंड हो सकता है। अब पुलिस के लिए बच्चों के साथ दुर्व्यवहार के सभी मामलों में एफाईआर दर्ज करना अनिवार्य है। कानून ने न सिर्फ पेनिट्रेटिव असॉल्ट को सैक्सुअल अब्यूज़ में शामिल करके बल्कि उसकी परिभाषा को विज़ुअल, वर्बल और फिज़िकल सैक्औअल अब्यूज़ तक बढ़ाकर बहुत बड़ा कदम उठाया है।

पोक्सो अधिनियम का पूरा संस्करण पढ़ें, यहाँ पर :
http://www.childlineindia.org.in/The-Protection-of-Children-from-Sexual-Offences-Act-2012.htm

छात्रों ने शिक्षा के अधिकार की लड़ाई लड़ी

*स्थानीय प्रशासन के साथ **चाइल्डलाइन पुंछ** द्वारा समय पर किए गए हस्तक्षेप से पुंछ जिले के छात्रों के समूह के लिए शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित किया।*

पुंछ जिले के कुछ छात्रों का समूह बुफिलिआज़ में सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल से नौंवी कक्षा में दाखिले के लिए मिला, क्योंकि उन्होंने आठवीं कक्षा की परीक्षा पास कर ली थी। लेकिन प्रिंसिपल में स्कूल में जगह की कमी का हवाला देते हुए उनको दाखिला देने से इन्कार कर दिया। यह सुनकर, छात्रों का दिल टूट गया और वे उसी समय उत्तेजित हो गए। उन्होंने शोर शराबा मचाया और प्रिंसिपल के खिलाफ नारे लगाते हुए सड़कों पर जुलूस निकाला।

कुछ छात्रों ने उनकी विपदा में सहायता करने के लिए **चाइल्डलाइन** पुंछ से भी संपर्क किया। छात्रों की बात सुनने के बाद **चाइल्डलाइन** के सदस्य जलूस वाली जगह पर पहुँचे और छात्रों एवं स्कूल स्टाफ के बीच का तनाव घटाने की कोशिश की। तब तक **चाइल्डलाइन** पुंछ के अन्य सदस्य पुंछ के मुख्य शिक्षा अधिकारी से मिले और उनके साथ इस मुद्दे पर चर्चा की और उनको संदर्भ में तुरंत कार्यवाही करने को कहा।

मामले का अध्ययन

मुख्य शिक्षा अधिकारी ने पुंछ के उप कमीश्नर के साथ चर्चा की, जो स्कूल जाकर प्रिंसिपल से मिले और वहाँ एक आम सहमति बनाई गई। छात्रों के रहने की अस्थायी व्यवस्था के लिए स्कूल के परिसर में तुरंत 10 टेन्ट लगाने का आदेश दिया गया। प्रिंसिपल को उन छात्रों को दाखिला देने का निर्देश दिया गया क्योंकि इस तरह के आकस्मिक तरीके से बच्चों की पढ़ाई छुड़ाना उनके प्रति अन्याय होता। यह फैसला सुनकर, बच्चों ने अपनी बगावत वापस ले ली और प्रशासन द्वारा कोई वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने तक उन टेन्टों में रहने को तैयार हो गए क्योंकि उनके लिए अपनी पढ़ाई जारी रखना ज्यादा महत्वपूर्ण था। स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर **चाइल्डलाइन** पुंछ द्वारा समय पर दिए गए सहयोग से समस्या आपसी सामंजस्य से और तेजी से सुलझ गई।

चाइल्डलाइन ने नितिन को नशीली दवाओं के दुरुपयोग से बचाया

जब **चाइल्डलाइन** ग्वालियर की टीम ने 12 वर्षीय नितिन को नशीली दवाओं के नशे में धुत पाया, तो वह उसे **चाइल्डलाइन** के दफ्तर में ले आई। नितिन के साथ परामर्श सत्रों के दौरान, टीम को पता चला कि उसके पिताजी शराबी थे और उसकी माँ का देहांत 2 साल पहले हो गया था, तभी से उसने ग्वालियर रेल्वे स्टेशन पर रहना शुरू कर दिया था।

यहाँ पर उसे वाइटनर की लत गई, जो ऊँची कीमत देकर कुछ दुकानों पर आसानी से उपलब्ध था। टीम ने उससे पूछा कि क्या वह उसके लिए वाइटनर ला सकता है, जिसके लिए बच्चे ने हामी भर दी। तब **चाइल्डलाइन** टीम ने उस बच्चे की सहायता से किए जाने वाले स्टिंग ऑपरेशन के बारे में चाइल्ड वेल्फेयर कमिटी (सीडब्ल्यूसी) और मीडिया को सूचित किया और उनको वहाँ मौजूद रहने का निवेदन किया।

तब टीम नितिन को ग्वालियर रेल्वे स्टेशन ले गई, जहाँ पर सीडब्ल्यूसी सदस्य पहले से मौजूद थे। पहले सीडब्ल्यूसी सदस्यों बच्चे से उन दुकानों के बारे में पूछताछ की, जिनके पास बच्चों के लिए वाइटनर उपलब्ध रहता है और फिर उनकी उपस्थिति में स्टिंग ऑपरेशन करने के लिए उसे दुकान पर भेजने की सहमति दे दी। बच्चा दुकान पर और 100 का नोट देकर वाइटनर ले आया।

पत्रिका समाचार पत्र के कैमरामैन ने इस घटना की तस्वीर ले ली। उसके बाद ग्वालियर रेल्वे स्टेशन को इस घटना की सूचना दी गई और **चाइल्डलाइन** की सूचना पर क्रिया करते हुए, पुलिस ने दुकान की तलाशी ली, लेकिन उसे वहाँ पर और वाइटनर नहीं मिला। उसके बाद दुकानदार को पुलिस स्टेशन बुलाया गया और उससे बच्चों को वाइटनर बेचने के बारे में पूछताछ की, जिससे वह साफ साफ मुकर गया। लेकिन जब पुलिस उसके सामने नितिन को लाई, तब उसने स्वीकार किया कि वह उसके पास अंतिम वाइटनर था और उसने पुलिस को आश्वासन दिया कि वह भविष्य में कभी भी वाइटनर नहीं बेचेगा। पुलिस ने दुकानदार के खिलाफ असरदार कानूनी कार्रवाई करने और रेल्वे स्टेशनों पर बच्चों को मादक वस्तुएँ बेचने वाले इस तरह के दुकानदारों पर नज़र रखने का आश्वासन दिया है।

जरूरत के अनुसार बच्चों की पहचान छुपाने के लिए उनके नाम बदल दिए गए हैं

चाइल्डलाइन 1098 पर आने वाली एमरजेन्सी कॉल्स पर क्रिया करके और शारीरिक रूप से बच्चों तक जाकर देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले हर बच्चे तक पहुँचता है।

लेख

चाइल्डलाइन की "कोमल"– बाल यौन शोषण (सीएसए) पर एक फिल्म

'कोमल' भारत की पहली ऐसी फिल्म है जो समझाती है कि बाल यन शोषण किस तरह होता है और उसके बारे में क्या करना चाहिए। 10 मिनट की यह फिल्म 6–12 साल के बच्चों और उनके अभिभावकों/टीचरों को लक्ष्य करके बनाई गई है। एक कहानी को एनिमेशन फॉर्मेट में इस्तेमाल करके, इस 10 मिनट की फिल्म में व्यस्क मुजरिम द्वारा बच्चे को लक्ष्य बनाने, उसे फुसलाने, शोषण करने, शिकार बच्चे के मन में अपराध और दुविधा की भावना अभिभावकों के मन में कशमकश की प्रक्रिया को दिखाया गया है। फिल्म के दूसरे हिस्से में सुरक्षित/असुरक्षित स्पर्श और निजी सुरक्षा नियमों पर प्रशिक्षण दिया गया है।

भारत में सबसे ज्यादा यौन शोषण के शिकार बच्चे होने का संदेह है। 2007 में महिला एवं बाल विकास विभाग के केंद्रीय मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी) द्वारा किए गए अध्ययन में दिखाया गया कि 53% बच्चों ने किसी न किसी रूप में यौन शोषण का सामना किया है और साबित किया कि शिकार होने की जितना संभावना लड़कियों की है, उतनी ही लड़कों की भी है। **चाइल्डलाइन** ने पाया कि 53 प्रतिशत भारतीय बच्चों ने यौन शोषण अनुभव किया है लेकिन उसकी रिपोर्ट करने का प्रतिशत बेहद कम है। सीआईएफ के अपने अध्ययन से पता चला है कि व्यापक पैमाने पर अभिभावकों के पास अपने ही बच्चों को बाल यौन शोषण के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए शब्द नहीं होते और यही सोचते हैं कि उनके बच्चों के साथ ऐसा कभी नहीं होगा। इससे **चाइल्डलाइन** इंडिया फाउन्डेशन (सीआईएफ) को क्रिया करने की प्रेरणा मिली, क्योंकि बच्चों, अभिभावकों और स्कूलों के समावेश वाले समाज के लिए बच्चों को बाल यौन शोषण (सीएसए) से बचाना, संवेदनशील बनाना और सशक्त बनाना वक्त की मांग है। बाल यौन शोषण (सीएसए) के मुद्दे से जूझने में **चाइल्डलाइन** सबसे आगे रहा है। वैसे तो सीआईएफ बचाव, हस्तक्षेप और पुनर्वास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, फिर भी 1098 सेवा हस्तक्षेप और पुनर्वास के लिए ज्यादा तत्पर रहती है। बाल यौन शोषण (सीएसए) के मामले में बचाव खास तौर पर सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ बन जाता है क्योंकि यदि मामला हस्तक्षेप वाले स्तर तक पहुँच जाता है जहाँ बच्चे का शोषण हि चुका है तो इसका मतलब है कि नुकसान हो चुका है। कॉल्स मिलने से लेकर, हस्तक्षेप करने, स्कूलों में बाल यौन शोषण (सीएसए) पर सिर्फ उसी के लिए कार्यक्रम पेश करने के लिए स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर तक वक्जालत करने तक, **चाइल्डलाइन** बच्चों को निजी सुरक्षा उपायों के साथ सशक्त करने के लिए अथक प्रयास करता है। सीएसए के लिए **चाइल्डलाइन** द्वारा किए गए काम को आमिर खान द्वारा "सत्यमेव जयते" के पहले सीज़न में भी दिखाया गया था। उसके बाद सत्यमेव जयते के दर्शकों और रिलायन्स फाउन्डेशन द्वारा मिली राशि के सहयोग से भारत की पहली सीएसए समर्पित एनिमेशन फिल्म "कोमल" को 15 भाषाओं में प्रदर्शित किया जा सका। "कोमल" फिल्म का मकसद बाल यौन शोषण के मुद्दे पर स्कूलों और समाजों में बच्चों तक पहुँचना है।

*कोमल 7 साल की होशियार, संवेदनशील और खुशमिजाज लड़की है। उसके पिता के पुराने दोस्त, श्री बक्शी अपनी पत्नी के साथ उनके पड़ोस में रहने आते हैं। मिलनसार श्री बक्शी के साथ कोमल घुल मिल जाती है और उनके साथ तब तक बहुत मज़े करती है, जब तक उसे श्री बक्शी की कड़वी सच्चाई का पता नहीं चल जाता। इस फिल्म में, **चाइल्डलाइन** दीदी बच्चों को सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श के बारे में समझाती है।*

सीआईएफ की कम्युनिकेशन एंड स्ट्रेटेजिक इनिशिएटिव्स द्वारा सोची गई और क्लाइम्ब मीडिया में निर्देशक किरीट खुराना और उनकी टीम द्वारा रचित, "कोमल" हर रोज चारों ओर लोगों तक पहुँचती हुई राष्ट्र–व्यापी घटना बन गई है। यूट्यूब पर 50 लाख से ज्यादा व्यू, वॉटसएप पर वायरल होने और फेसबुक पर लाखों शेयर्स के साथ, 10 मिनट की इस फिल्म ने, छोटी सी ही अवधि में कई लोगों पर सकारात्मक छाप बनाई है। नेपाल, फिलिपीन्स, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, मंगोलिया, मलेशिया, श्री लंका, तिब्बत, मध्य पूर्व और अन्य कई देशों से भी "कोमल" को अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में भी बनाने के निवेदन आ रहे हैं ताकि उससे दुनिया भर के बच्चे फायदा पा सकें।

लेख

कोमल को ऑनलाइन देखने के लिए यहाँ क्लिक करें :
http://www.childlineindia.org.in/1098/child-sexual-abuse-csa-animation-videos.html

"कोमल" भारत की पहली ऐसी फिल्म है जो समझाती है कि बाल यन शोषण किस तरह होता है और उसके बारे में क्या करना चाहिए। 10 मिनट की यह फिल्म 6–12 साल के बच्चों और उनके अभिभावकों/टीचरों को लक्ष्य करके बनाई गई है। एक कहानी को एनिमेशन फॉर्मेट में इस्तेमाल करके, इस 10 मिनट की फिल्म में व्यस्क मुजरिम द्वारा बच्चे को लक्ष्य बनाने, उसे फुसलाने, शोषण करने, शिकार बच्चे के मन में अपराध और दुविधा की भावना अभिभावकों के मन में कशमकश की प्रक्रिया को दिखाया गया है। फिल्म के दूसरे हिस्से में सुरक्षित/असुरक्षित स्पर्श और निजी सुरक्षा नियमों पर प्रशिक्षण दिया गया है।

"कोमल" को 15 भाषाओं में प्रदर्शित किया गया है – इंग्लिश, हिन्दी, मराठी, गुजराती, कोंकणी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, उड़िया, बंगाली, असमी, पंजाबी, कश्मीरी और उर्दू। जल्द ही सीआईएफ "कोमल" को सभी 15 भाषाओं के लिए "सुलभ"संस्करणों में भी प्रदर्शित करने वाला है, जिसमें शामिल है : कैप्शनिंग, सांकेतिक भाषा में समझाना और ऑडियो वर्णन। यह सुनने में असमर्थ, पढ़ने में असमर्थ और डिस्लेक्सिया पीड़ित बच्चे और एकाग्रता की कमी वाले अति सक्रिय बच्चे लाभान्वित होंगे।

"कोमल" फिल्म को देश भर की हाउज़िंग सोसायटियों में स्क्रीनिंग और दुनिया भर में सोशल मीडिया पर और समाचारों दिखाने के लिए व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल किया गया है। हाल ही में, महाराष्ट्र के ठाणे शहर में अभिभावकों ने बच्चों के बीच यौन शोषण, सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श के बारे में जागरूकता फैलाने की कोशिश में उनको यौन शोषण से बचने का तरीका सिखाने के लिए "कोमल" फिल्म दिखाई, ठाणे में अभिभावकों के साथ मिलकर **चाइल्डलाइन** बच्चों को खतरे को पहचानने और इस तरह स्थितियों से निपटने का तरीका सिखाने के लिए आगे आई है। इस मुद्दे पर जागरूकता बनाने के लिए **चाइल्डलाइन** ने अभिभावकों के साथ मिलकर "कोमल"की स्क्रीनिंग की पहल शुरू की और बच्चों को अपने साथ हुई उन तकलीफदेह घटनाओं के बारे में बात करने की हिम्मत दिलाई जिनका उन्हें अनुभव हुआ था लेकिन वे अभी तक उसके बारे में बताने का साहस नहीं जुटा सके थे।

INSPIRATION

Break the silence

dna delves into a topic that most parents deem 'uncomfortable'—child sexual abuse and finds out how a Worli-based NGO inspires society to speak up on CSA

Simi Kuriakose

D...uu...uuu...ooh...It took a bunch of kids to suggest this number and help create the country's first, 24-hour free, emergency helpline for children. Worli-based Childline India Foundation (CIF), which started as an experimental project, is now a NGO partnering with the Government of India (GOI) as a Public Private Partnership project. For child-related problems requiring physical intervention, CIF partners with 400 independent NGOs across India for solutions. Having started with the aim of reaching out to street children, they came up with the concept of one direct toll free number, which children could easily remember and dial whenever they needed help. Be it relational problems, parental conflicts, and issues like sexual abuse, there is always a friendly didi or a sympathetic bhaiya to help a child in need.

Living in denial

We would like to believe that India is taking bigger steps to being a broad-minded nation, but we have a long way to go. Parents tend to believe that 'Sexual abuse cannot happen to my child'. Sadly, statistics prove otherwise: the GOI research of 2007 has reported that 53% of all children are sexually abused by the age of 10. Despite this, parents shudder to have 'the talk'. Nishit Kumar, Head of Communication & Strategic Initiatives, CIF explains, "Parents are hesitant about talking to their children on such matters. They think it is the responsibility of the school to educate children regarding this. No matter how highly educated they are, when asked, 'How do you tell your kids about their private parts?' they never have an answer." This speaks volumes about our society; when no one can even discuss the human anatomy with children, how will they ever talk about the difference between a 'safe' and 'unsafe' touch?

Nishit Kumar and Kireet Khurana receiving the FICCI-FRAMES BAF award for Komal

Staying aware

Seeking a solution to this, CIF started an awareness campaign in which they trained lady volunteers to enact stories to teach children about personal safety. Kumar informs, "At the end of each story session, we give out a set of labels to children and ask them to write down the name of that one person they trust, who they would talk to in case they felt the need to share something. We also send a sealed letter to the parents of the children explaining to them how they can recognise if their child has been a victim of CSA."

This ongoing programme has garnered wide acceptance, so much so that the BMC has asked CIF to implement this in 1,700 municipal schools in the city. Aiming to reach out to 1 million children over the next two years, currently CIF has completed 1/3rd of this target. They also conduct plays and puppet shows for street children to build CSA awareness.

Who is Komal?

Once Kumar was featured on Satyamev Jayate (Season 1), people started enquiring about this programme and wanted to volunteer. Aware of the sensitivity of the topic, CIF decided to release an animation film that would cater to every age group. This is how Komal, a well-researched 10-minute PSA that has gone viral on social media and has been much lauded, came into being. It won the FICCI FRAMES BAF Award in the Best International Short Film Category. Conceptualised and created by director Kireet Khurana, this film has been dubbed in 13 Indian languages. Also, with the help of BarrierBreak technology, Komal has 36 accessible versions, including those catering to physically challenged children. It has not only helped to educate kids but also allowed many to break the silence. Want to do your bit for society? Make a child aware about CSA; and if you are uncomfortable even now, get them to meet 7-year-old Komal.

KOMAL

A Childline lady volunteer in a CSA workshop

कर्नाटक के बंगलौर में, ब्रिटिश लायब्रेरी, बंगलौर ने बाल सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के दौरान **चाइल्डलाइन** एनिमेशन फिल्म "कोमल" की स्क्रीनिंग आयोजित की। बंगलौर के अलग अलग स्कूलों के 100 से ज्यादा छात्रों और टीचरों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। सीआईएफ के समर्थन के साथ, बंगलौर के एक थिएटर ग्रुप ने "कोमल" की स्क्रिप्ट इस्तेमाल करके एक नाटक का मंचन किया।

यह बात साफ है कि "कोमल" ने दुनिया भर में लोगों के दिल के तार को छुआ है। "कोमल" वॉटसएप पर वायरल हो गई है। यूट्यूब पर इसके 50 लाख से ज्यादा व्यू हैं। सीआईएफ को फिलिपीन्स, मलेशिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर, श्री लंका, बांग्लादेश, नेपाल, साउदी अरब, ईरान, अफगानिस्तान, मंगोलिया और अन्य देशों से कोमल के लिए निवेदन करने वाले ईमेल मिले हैं। तिब्बती, नेपाली, अरबी, मंगोलिया और इसी तरह कई भाषाओं में संस्करण तैयार करने के निवेदन भी मिले हैं। द युनाइटेड नेशन्स हाई कमीश्नर फॉर रिफ्यूजीस (यूएनसीएचआर) ने दुनिया के कई भागों में लगे उनके रिफ्यूजी शिविरों में स्क्रीन करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय ट्रैक तैयार करने का औपचारिक रूप से निवेदन किया है।

कोमल का अभिनंदन!

बेस्ट इंटरनैशनल शॉर्ट फिल्म

फिक्की फ्रेम्स बीएएफ अवॉर्ड्स 2014

बेस्ट कॉर्पोरेट फिल्म

पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया नैशनल अवॉर्ड 2014

ऑफिशियल सिलेक्शन :

एनिम आर्टे फेस्टिवल 2014, ब्राज़ील

ऑफिशियल सिलेक्शन :

सारोकोकालो इंटरनैशनल शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल, ग्रीस

लेख

कोमल; जरूर देखनी चाहिए – टाइम्स ऑफ इंडिया

THE TIMES OF INDIA

QuickStir

See what Geoffrey say on India Vs England Series

You are here: Home » QuickStir » Red Hot

Every Child Must Watch This Child Abuse Video!

9393 142 81 9.6 k Shares

7 year old Komal's story will break your heart . ChildLine India's step-by-step guide for children who have been placed in uncomfortable situations is a great way to spread awareness. Watch and share!

KOMAL - A film on Child Sexual Abuse (CSA) - En...

0:00 / 10:02

News & Politics | Community | Commentary | Arts & Features | Events | How To

Citizen Matters .in BANGALORE

Bangalore Rape Case - Children - bcity - Guides and Primers

SAFEGUARDING CHILDREN

What to do if your child is sexually abused

Much has been spoken in the last month about Child Sexual Abuse (CSA) following some incidents in several schools. What can you do to safeguard your child from it?

Ganga Madappa, 07 Aug 2014 , Citizen Matters

SHARE Tweet 1 +1 4 Email Pinit

Animated film on child sexual abuse

Movie has elicited encouraging comments

BANGALORE: **Childline India Foundation, the nodal agency under the Ministry of Women and Child Development which maintains Childline 1098 service, recently released a short animated film on educating children on sexual abuse.**

Since its release, the film, 'Komal - A Film on Child Sexual Abuse', has been shared a number of times on Facebook and elicited some very encouraging comments.

With spate of rapes against children across the country, many experts and parents believe that it is high time that schools and government authorities bring in some radical measures to educate children and ensure their safety.

Harnessing technology

Using new age technology and media is just one of the many ways in which the process can be facilitated, experts say.

Manju Balasubramani, principal, DPS, South (Yelahanka) is of the opinion that with present-day kids being exposed to a lot of new technology and media, there is also an equal need to educate children using such means.

"A child today has access to a number of sources of information. Therefore the message should be put across in such means that he/she can relate to it, but with adult supervision. Cinema or the Internet can be used for the purpose," she said. The school itself engages in classes involving role playing and puppetry to drive home the point.

The learning and awareness however cannot be restricted to children only, according to Dr Shaibya Saldanha, one of the co-founders of Enfold, an organisation that works in the field of child safety.

It should in fact be extended to parents and the school staff. Lessons to children on the significance of personal spaces and touches as well as to school authorities on certain matters to ensure a child's safety is of utmost importance she says.

Nagasimha G Rao, Director of Child Rights Trust, said that many schools in the City do not have adequate means of educating children or the staff on the measures that need to be taken, leave aside imparting such information through cinema and other creative media.

DH News Service

Parents screen film to teach kids how to prevent sexual abuse

Padmja Sinha @PADMA

Parents, worrying about the safety of their children after the spate of sexual abuse cases involving kids, have come together in Thane to help them learn how to recognise the danger and deal with these situations.

Residents in various pockets have launched this initiative through the screening of a short film to generate awareness of the issue and enable the children to talk about uncomfortable incidents they may have experienced and did not have the courage to talk about them so far.

The film, titled *Komal*, is made by Childline India, the foundation that campaigns for child protection and their rights. The film attempts to do this through the story of a seven-year-old who has a whale of a time with an affable neighbour until she discovers his bitter side.

Available in 12 languages, the film instructs kids on ways to protect themselves and guides them on how to seek help from trusted adults if they are trapped in a similar situation.

Some housing societies have also taken a keen interest in this matter and are using the film to spread awareness about the problem. Some are even planning to hold these programmes during the Ganapati celebrations.

"The trend is a worry for parent. We found the film to be well made, so we decided to use it to educate our children," says Debapriya Mitra.

सम्मान

सीआईएफ ने दूसरी बार प्रतिष्ठित पीआरएसआई नैशनल अवॉर्ड्स 2014 जीता!

सीआईएफ दूसरी बार पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) नैशनल अवॉर्ड्स 2014 पाने पर बेहद गौरान्वित है। देश के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों से एक और पब्लिक रिलेशन्स और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन्स एक्सीलेंस के सबसे बड़ी प्रशंसा होने के नाते, पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) नैशनल अवॉर्ड्स 2014 सचमुच बाल सुरक्षा को हर एक की प्राथमिकता बनाने के लिए सीआईएफ द्वारा किए गए प्रशंसनीय कामों का सबूत है।

सीआईएफ की फिल्म कोमल, वार्षिक रिपोर्ट 2012–13 और हैलो चाइल्डलाइन – चाइल्डलाइन से दोस्ती अंक ने क्रमशः ङ्कबेस्ट कॉर्पोरेट फिल्मङ्क (प्रथम पुरस्कार), ङ्कबेस्ट एनुअल रिपोर्टङ्क (द्वितीय पुरस्कार) और ङ्कबेस्ट हाउस जर्नलङ्कङ्क–इंग्लिश (तृतीय पुरस्कार) वर्गों में पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) नैशनल अवॉर्ड्स जीते।

श्री निशित कुमार, हेड (दाएँ से दूसरे), कम्युनिकेशन एंड स्ट्रेटेजिक इनिशिएटिव्स और सुदीप पीएम (दाएँ से पहले), प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर, कम्युनिकेशन एंड स्ट्रेटेजिक इनिशिएटिव्स, सीआईएफ ने श्री कैलाश मेघवाल, माननीय अध्यक्ष, राजस्थान विधान सभा और डॉ.गुलाब कोठारी, प्रमुख संपादक, राजस्थान पत्रिका समूह से पुरस्कार ग्रहण किया।

19 दिसंबर 2014 को जयपुर में सीआईएफ को पुरस्कार से नवाजा गया और वह 36वें ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशन्स कॉन्फ्रेंस में श्री कैलाश मेघवाल, माननीय अध्यक्ष, राजस्थान विधान सभा और डॉ.गुलाब कोठारी, प्रमुख संपादक, राजस्थान पत्रिका समूह से श्री निशित कुमार, हेड, कम्युनिकेशन एंड स्ट्रेटेजिक इनिशिएटिव्स और सुदीप पीएम, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर, कम्युनिकेशन एंड स्ट्रेटेजिक इनिशिएटिव्स, सीआईएफ ने स्वीकार किया।

पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) पीआर प्रैक्टीशनरों की नैशनल असोसिएशन है जिसके देश भर में 25 चैप्टर और 3000 से ज्यादा सदस्य हैं।

"**कोमल**" फिल्म देखने के लिए यहाँ क्लिक करें :
http://bit.ly/Lase8y
हैलो चाइल्डलाइन पत्रिका देखने के लिए यहाँ क्लिक करें:
http://bit.ly/1elhHzF
सीआईएफ एनुअल रिपोर्ट देखने के लिए यहाँ क्लिक करें :
http://bit.ly/19wJMXn

सोलन से बाल श्रम के उन्मूलन के प्रति **चाइल्डलाइन** की सक्रिय पहलों के लिए हिमचाल प्रदेश की सरकार द्वारा विशेष पुरस्कार प्राप्त करने पर **चाइल्डलाइन सोलन** को हार्दिक बधाई। यह पुरस्कार बाल श्रम के उन्मूलन में एचपीवीएचए द्वारा चलाए जा रहे **चाइल्डलाइन** सोलन के उत्कृष्ट काम की सराहना करता है और बाल सुरक्षा एवं विकास के क्षेत्र में महान सेवा देने के लिए प्रशंसा का प्रतीक है।

26 जनवरी 2015 को सोलन में 66वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में **चाइल्डलाइन** सोलन के सलाहकार श्री अमन दीप ने हिमाचल प्रदेश सरकार के माननीय स्वास्थ्य एवं राजस्व मंत्री, श्री कौल सिंह ठाकुर से पुरस्कार ग्रहण किया।

स्टेट कमीश्नर फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (एससीपीसीआर) की ओर से बाल रक्षक अवॉर्ड 2014 पाने के लिए **चाइल्डलाइन चित्तूर** के डायरेक्टर श्री के.धन शेखरन को बधाई। श्री धन शेखरन ने 20 नवंबर 2014 को हैदराबाद में युनिवर्सल चाइल्ड राइट्स डे पर आयोजित समारोह में आंध्र प्रदेश के लोकायुक्त जस्टिस बी.सुभाषन रेड्डी से पुरस्कार ग्रहण किया।

चाइल्डलाइन सलाहकार समिति की बैठकें

चाइल्डलाइन सलाहकार समिति (**चाइल्डलाइन** एडवाइज़री बोर्ड) (सीएबी) सरकारी अधिकारी, एनजीओ, कॉर्पोरेट्स और संबंधित व्यक्ति शामिल हैं। सीएबी के मुख्य कार्यों में **चाइल्डलाइन** की कार्यप्रणाली की समीक्षा करना और सेवा को बेहतर बनाने के लिए उपाय सुझाना शामिल हैं। प्रत्येक शहर/नगर में सीएबी का संयोजन अलग अलग हो सकता है, लेकिन सीएबी के सुझाए गए सदस्यों में समाज कल्याण विभाग/महिला एवं बाल विकास के अधिकारी, महानगर पालिका निगम, आईसीडीएस, शिक्षा, पुलिस, स्वास्थ्य, किशोर न्याय, रेलवे, मीडिया, शिक्षा, दूरसंचार, अन्य एनजीओ नेटवर्क, **चाइल्डलाइन** नोडल, सहयोगी, सहायक और संसाधन संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

प्रत्येक **चाइल्डलाइन** शहर में, शहर के अंदर **चाइल्डलाइन** सेवा शुरू किए जाने के तुरंत बाद एक **चाइल्डलाइन** एडवाइज़री बोर्ड (सीएबी) बनाई जाती है। **चाइल्डलाइन** प्रारूप का यह अच्छी तरह जाँचा परखा गया घटक है। यह सहायक प्रणालियों के संगठनों (पुलिस, स्वास्थ्य देखभाल का क्षेत्र, शिक्षा क्षेत्र, टेलिकॉम, महानगरपालिका, राज्य महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों, रेल्वे, न्यायतंत्र आदि) के निर्णायकों को एक साथ लाने वाले पैनल की भूमिका निभाता है और ओपन हाउस सत्रों में और मामले के हस्तक्षेप के दौरान शहर के बच्चों से इकट्ठे किए गए मुद्दों को पेश करता है।

मुद्दों को सुलझाने के लिए सीएबी **चाइल्डलाइन** को सहायक प्रणालियों के साथ सीधे बातचीत करने का मंच प्रदान करता है। यह सुनिश्चित करता है कि सहायक प्रणालियों के संगठन बाल सुरक्षा में सक्रिय स्टेकधारक भी हों। सीएबी की बैठकें तिमाही में एक बार आयोजित की जाती हैं।

शहर : मेरठ

झलकियाँ : मेरठ के डीएम कार्यालय में **चाइल्डलाइन** मेरठ की सीएबी बैठक

परिणाम : मेरठ के जिला मजिस्ट्रेट श्री पंकज यादव ने बैठक की अध्यक्षता की।

जिला कलेक्टर की उपस्थिति में निर्णय लिया गया कि जिले के सभी विभाग **चाइल्डलाइन** मेरठ को सक्रियता से सहयोग प्रदान करेंगे।

टेलिकॉम विभाग द्वारा अभियान को सहयोग : **चाइल्डलाइन** 1098 पर जागरूकता फैलाने के लिए टेलिकॉम विभाग ने एक अभियान चलाया। **चाइल्डलाइन** मेरठ के डायरेक्टर ने **चाइल्डलाइन** मेरठ द्वारा की जा रही गतिविधियों और हस्तक्षेप किए गए मामलों की झलकियाँ पेश की।

बाल श्रम राहत कार्यों के दौरान पुलिस **चाइल्डलाइन** को सहयोग प्रदान करेगी।

मुफ्त मेडिकल उपचार और **चाइल्डलाइन** द्वारा भेजे गए मामलों को प्राथमिकता

शहर : कन्नूर

झलकियाँ : 1098 पर जागरूकता फैलाने के लिए पर्यटन स्थलों पर **चाइल्डलाइन** होर्डिंग्स

परिणाम : बात फैलाना – 1098 पर जागरूकता फैलाने के लिए डिस्ट्रिक्ट टूरिज़्म प्रमोशन काउंसिल्स (डीटीपीसी) के सहयोग से सभी पर्यटन स्थलों पर **चाइल्डलाइन** होर्डिंग्स लगाए जाएँगे।

कलेक्टर ने समाज कल्याण अधिकारी को जिला पंचायत की मदद से जिले में बच्चों के लिए खास घर बनाने का प्रस्ताव जमा कराने के निर्देश दिए।

केरल शेड्यूल्ड ट्राइब डेवल्पमेन्ट डिपार्टमेन्ट के सहयोग के साथ अरालाम रीसेटलमेन्ट क्षेत्र में बाल विवाह और बाल यौन शोषण पर जागरूकता के बोर्ड्स लगाने का संयुक्त रूप से फैसला किया गया।

कलेक्टर ने आरटीओ को पूरे जिले की सभी बसों में **चाइल्डलाइन** 1098 संदेश के साथ अभियान शुरू करने का निर्देश दिया।

अनाथाश्रम के देखभालकर्ताओं को **चाइल्डलाइन,** पोक्सो अधिनियम और बच्चों के मुद्दों पर संवेदनशील बनाने के लिए **चाइल्डलाइन** ने सामाजिक न्याय विभाग के साथ मिलकर उनके लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया।

कन्नूर के सामान्य शिक्षा विभाग के शिक्षा उप निदेशक ने कन्नूर के सभी स्कूलों में कोमल फिल्म पर बात फैलाने की पहल की।

शहर : लखीमपुर

झलकियाँ : एसजेपीयू और सीडब्ल्यूओ के लिए बाल अधिकारों, **चाइल्डलाइन** पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

परिणाम : लखीमपुर के डिप्टी कमीश्नर के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित एसीबी बैठक की अध्यक्षता श्री ए बौरा, एसीएस, एडीसी, लखीमपुर ने की.

চাইল্ড লাইন পৰামৰ্শদাতা সমিতিৰ সভা

स्पेशल जैवुनाइल पुलिस युनिट (एसजेपीयू) और चाइल्ड वेल्फेयर

CHILDLINE advisory board meetings

ऑफिसर (सीडब्ल्यूओ) को बाल अधिकारों, **चाइल्डलाइन** और बाल नियम पर संवेदनशील बनाने के लिए **चाइल्डलाइन** ने पुलिस विभाग के सहयोग से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया।

पुलिस सुपरिटेन्डेंट पूरे लखीमपुर के पुलिस स्टेशनों में 1098 पर होर्डिंग्स लगाने में **चाइल्डलाइन** को सहयोग देने के लिए सभी पुलिस स्टेशनों को सर्क्युलर जारी करेंगे।

डिप्टी कमीश्नर देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले बच्चों और कानून के मतभेद में फंसे किशोरों के मामले से निपटने में **चाइल्डलाइन** को सहायता करने और सहयोग देने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, यातायात, पुलिस, श्रम और समाज कल्याण विभाग को सर्क्युलर जारी करेंगे।

स्वास्थ्य/सीएमओएच के संयुक्त निदेशक **चाइल्डलाइन** द्वारा भेजे गए बच्चों को प्राथमिकता देकर उपचार करने के लिए सर्क्युलर जारी करेंगे।

डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन एंड पब्लिक रिलेशन्स डिपार्टमेन्ट समाचार पत्रों, लखीमपुर के प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग्स लगाकर **चाइल्डलाइन** को जागरूकता फैलाने में सहयोग देंगे।

शहर : रामनाथपुरम

झलकियाँ : कलेक्टर के दफ्तर में रखी गई बैठक की अध्यक्षता राम नाथपुरम के जिला कलेक्टर ने की।

परिणाम : महानगरपालिका क्षेत्र और बीडीओ दफ्तरों के परिसरों में 1098 पर जागरूकता फैलाने के लिए स्कूलों में वॉल पेंटिंग्स

डीसीपीयू, एएचटीयू के सदस्यों के साथ मिलकर **चाइल्डलाइन** ने राम नाथपुरम में बाल भिक्षावृत्ति पर छापा मारा।

रामनाथपुरम की औपचारिक वेबसाइट पर सीआईएफ वेबसाइट की ओर संकेत करने वाला **चाइल्डलाइन** संदेश दिखाएगी।

रामनाथपुरम के सभी सरकारी अनुदान वाले स्कूलों में कोमल फिल्म की स्क्रीनिंग की जाएगी। इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए **चाइल्डलाइन** टीम को कोमल की डीवीडी प्रदान करनी होगी।

शहर : थंजवौर

झलकियाँ : शिक्षा, ट्रेफिक पुलिस, पुलिस महिला और बाल हेल्पलाइन, राज्य कानूनी सहयोग प्राधिकरण, बाल देखभाल संस्थान और बाल देखभाल अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों के साथ सीएबी के चेयरमैन, डॉ.एन.सुब्बायन, आई.ए.एस., कलेक्टर, थंजवौर ने **चाइल्डलाइन** थंजवौर की सीएबी बैठक में भाग लिया।

परिणाम : बैठक में उन समस्याओं पर चर्चा की गई जिनका थंजवौर के बच्चों को सामना करना पड़ता है।

कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को **चाइल्डलाइन** द्वारा संचालित की जाने वाली गतिविधियों में सहयोग देने और **चाइल्डलाइन** को सहयोग देना सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

थंजवौर के **चाइल्डलाइन** पर जागरूकता फैलाने के लिए स्कूलों में **चाइल्डलाइन** पर आधारित वॉल पेंटिंग्स लगाकर सर्व शिक्षा अभियान।

कलेक्टर ने **चाइल्डलाइन** की कार्यप्रणाली की समीक्षा के लिए हर तिमाही सीएबी की बैठक रखने का प्रस्ताव रखा।

शहर : माल्दा

झलकियाँ : चाइल्डलाइन द्वारा भेजे गए मामलों को मुफ्त मेडिकल उपचार

परिणाम : सीआईएफ की ईआराअरसी, सुश्री लीना दासगुप्ता ने **चाइल्डलाइन** द्वारा माल्दा में चलाए गए अभियानों और गतिविधियों और टीम द्वारा सुलझाए गए मामलों के बारे में उपस्थित सदस्यों को जानकारी दी।

जिला कलेक्टर की उपस्थिति में सभी विभागों द्वारा **चाइल्डलाइन** माल्दा को सक्रिय सहयोग प्रदान करने का निर्णय लिया गया। सरकारी अस्पतालों में **चाइल्डलाइन** द्वारा भेजे गए मामलों को मुफ्त मेडिकल सुविधाएँ

चाइल्डलाइन सीतामढ़ी की टीम के सभी सदस्यों के लिए पहचान पत्र

माल्दा में बाल विवाह पर जागरूकता फैलाने के लिए **चाइल्डलाइन** अभियान चलाएगा।

चाइल्डलाइन की प्रभावशाली कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के लिए सीएबी **चाइल्डलाइन** की शहर और ब्लॉक स्तर की नीति बनाने वाला प्रमुख आयोग है।

देश भर की गतिविधियाँ

स्टैंडर्ड चार्टर्ड मुम्बई मैराथन 2015 में चाइल्डलाइन

18 जनवरी 2015 को आयोजित एशिया की सबसे बड़ी और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी मैराथॉन, स्टैंडर्ड चार्टर्ड मुम्बई मैराथन (एससीएमएस) के बारहवें संस्करण में जब चाइल्डलाइन टीम और समर्थकों के साथ जब सभी तबकों के जोशीले लोग ङ्खुशहाल बचपन के अधिकारङ्ख के लिए दौड़े, तब पूरे वातावरण में जोश और रोमांच की लहर दौड़ पड़ी।

समर्थकों के साथ उत्साही चाइल्डलाइन टीम ने बेहद उत्साह और जोश के साथ समारोह में भाग लिया। वे बाल रक्षा पर बनी चाइल्डलाइन टी–शर्ट्स पहनकर, हाथों में चाइल्डलाइन के झंडे और बैनर लहराते हुए 6 किलोमीटर का ड्रीम रन पूरा करने के लिए दौड़े।

डॉ.अंजिया पंदिरी, एग्ज़िक्यूटिव डायरेक्टर, सीआईएफ (बीच में), ने एससीएमएस 2015 में सीआईएफ टीम और समर्थकों का नेतृत्व किया। श्री अस्पी मेधोरा, हेड, फायनांस एंड एडमिन, सीआईएफ (बाएँ) और श्री वर्गीस पी.जे., हेड रिसोर्स मोबिलाइज़ेशन (बाएँ) ने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।

देश भर की गतिविधियाँ

कॉर्पोरेट भागीदार :

vodafone TATA AIG INSURANCE WITH YOU ALWAYS SANOFI Universal HARI KRISHNA GROUP

सनोफी इंडिया टीम

वोडाफोन

युनिवर्सल मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड

हरि कृष्णा ग्रुप

टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस टीम

देश भर की गतिविधियाँ

चाइल्डलाइन को इंडिविजुअल फंडरेसर्स कैटेगरी के अंतर्गत दौड़ने वाली कई जानी मानी हस्तियों से भी सहयोग प्राप्त हुआ। चाइल्डलाइन के इनमें से कुछ समर्थक हैं, चेंज मेकर के तौर पर फुल मैराथॉन दौड़ने वाले श्री गुरप्रीत सिंह, चेंज मेकर्स के तौर पर हाफ मैराथॉन दौड़ने वाले श्री सुनील रवलानी और डॉ.मैथ्यू टी.जे. चाइल्डलाइन पिछले कई वर्षों से उनसे मिलने वाले निरंतर सहयोग के लिए उनका आभारी है। हम उनके सहयोग से बेहद अभिभूत हैं।

"मैं 6 से ज्यादा सालों से चाइल्डलाइन के साथ जुड़ा हुआ हूँ। चाइल्डलाइन के उद्देश्य मेरे दिल के करीब होते हैं; इस साल चाइल्डलाइन के दौड़ना बेहद यादगार अनुभव था।"
श्री गुरप्रीत सिंह,
चेंज मेकर

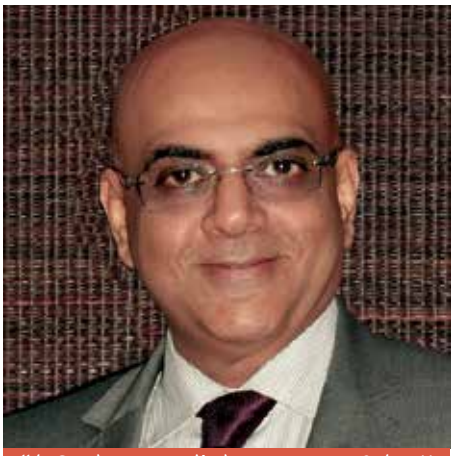

"मैं पिछले 11 सालों से लगातार मुम्बई मैराथॉन में दौड़ रहा हूँ। हम अपने समाज के सबसे ज्यादा आसानी से शिकार होने वाले नागरिकों, अपने बच्चों को हिंसा और डर से मुक्त जीवन के देनदार हैं। 1098 पर एक कॉल मुसीबत में फंसे बच्चे का जीवन बदल सकती है। इस साल भी मैं चाइल्डलाइन के लिए दौड़ा।"
श्री सुनील रवलानी,
चेंज मेकर

हमारे कॉर्पोरेट चैलेंजर्स, चैलेंज मेकर्स और ड्रीम रनर्स ने **चाइल्डलाइन** के उद्देश्य के बारे में जागरूकता फैलाने के साझे मकसद के साथ दौड़कर रेस की भावना बनाए रखी और उसके हर पल का मज़ा लिया। स्टैंडर्ड चार्टर्ड मुम्बई मैराथन के बारहवें संस्करण की समाप्ति पास आ रही है, ऐसे में हम **चाइल्डलाइन** की ओर से कॉर्पोरेट संरक्षकों और व्यक्तियों को उनके अमूल्य सहयोग और समपर्ण के लिए धन्यवाद देते हैं।

देश भर की गतिविधियाँ

जन्मदिन मुबारक चाइल्डलाइन भोपाल

बच्चों के साथ मिलकर **चाइल्डलाइन** टीम ने भोपाल में अपना जन्मदिन बड़े जोश के साथ मनाया। केक काटने के अलावा, बच्चों ने **चाइल्डलाइन भोपाल** की ओर से आयोजित 15वीं वर्षगांठ में बहुत मज़ा किया।

त्रिवेंद्रम के क्लीन कैम्पस सेफ कैम्पस में चाइल्डलाइन

चाइल्डलाइन त्रिवेंद्रम ने केरल सरकार द्वारा त्रिवेंद्रम के पट्टोम स्थित सेंट मेरी'स स्कूल में आयोजित "क्लीन कैम्पस सेफ कैम्पस" के राज्य स्तरीय उद्घाटन में भाग लिया।

जनता तक पहुँचने के लिए **चाइल्डलाइन** टीम ने तस्वीरों और पोस्टरों वाला स्टॉल लगाया। स्टॉल पर कई लोग आए और अपने सहयोग की प्रतिज्ञा ली, इनमें से ज्यादातर स्कूली बच्चे थे। एससी और एसटी विकास विभाग के माननीय मंत्री श्री लाला बिहारी हिमिरिका भी जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ स्टॉल पर पधारे।

बिहार के दरभंगा की गणतंत्र दिवस परेड में चाइल्डलाइन

चाइल्डलाइन दरभंगा ने **चाइल्डलाइन** और बच्चों के मुद्दों पर बात फैलाने के लिए दरभंगा के जिला प्रशासन द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस फ्लोट परेड में भाग लिया।

चाइल्डलाइन के फ्लोट ने बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने पर ज़ोर देने वाला ‘बाल श्रम को न कहें’ का जोरदार संदेश दिया।

टीम ने **चाइल्डलाइन** और बच्चों के मुद्दों पर जागरूकता फैलाने के लिए इस मंच का इस्तेमाल किया। सहयोग देने के लिए दरभंगा के जिला मेजिस्ट्रेट को धन्यवाद।

मध्य प्रदेश के कटनी में इन–हाउस प्रशिक्षण

दर असल, जब **चाइल्डलाइन** सेवा शुरू की जाती है, तब प्रशिक्षण और क्षमता विकास का काम एक आवश्यक अंग होता है। स्टाफ को भर्ती करते ही इन–हाउस प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाती है और 1098 को अवधारणा, मूलमंत्र, कार्यप्रणाली, हस्तक्षेप के कौशल, दस्तावेजीकरण और **चाइल्डलाइन** तक पहुँचने के सभी घटकों को शामिल करने वाले सप्ताह भर के प्रशिक्षण के साथ जोड़ दिया जाता है। **चाइल्डलाइन कटनी** टीम के लिए हाल ही में आयोजित प्रशिक्षण में, सुश्री श्वेता केसुरकर, सिटी इन–चार्ज, डब्ल्यूआरआरसी, सीआईएफ ने सीआईएफ, **चाइल्डलाइन** की कार्यप्रणाली, बाल अधिकारों और बाल सुरक्षा मुद्दों और भारत में बाल संबंधित कानून के बारे में समझाते हुए विभिन्न सत्र संचालित किए।

देश भर की गतिविधियाँ

युनिनॉर ने सोशल इनक्लूज़न क्रिकेट मैच

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात और आंध्र प्रदेश में 3 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों को सेवा प्रदान करने वाली भारतीय मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटर कंपनी युनिनॉर ने **चाइल्डलाइन** इंडिया फाउन्डेशन को सहयोग देने के लिए एक नया कदम उठाया और सोशल इनक्लूज़न क्रिकेट मैच का आयोजन किया। यह मैच युनिनॉर कर्मचारियों और **चाइल्डलाइन** के भागीदारों यानि कि प्रयास, सलाम बालक ट्रस्ट, डॉन बॉस्को और बच्चों की अपने खास तरीके से देखभाल करने वाली बटरफ्लाइस के बीच गुड़गाँव में खेला गया।

युनिनॉर के सीईएओ श्री मॉर्टेन कार्ल्सेन ने पुरस्कार दिए

मैच में दोनों टीमों ने एक दूसरे को कड़ा मुकाबला देने के लिए नहीं बल्कि उस दिन को स्पोर्ट्स का एक यादगार दिन बनाने के लिए खेला। सभ्य समाज के इस खेल की एक टीम में युनिनॉर के 11 कर्मचारी और दूसरी ओर **चाइल्डलाइन** के 4 भागीदारों में प्रत्येक में से 3 चुने गए बच्चों से बनी 11 बच्चों की टीम थी।

शोर और नारों की गूंज के बीच **चाइल्डलाइन** के कप्तान ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। जब दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने अपनी अपनी जगह संभाली तो सारा माहौल जोश और उत्साह से भर गया और उनको मैदान में जादू चलाते देखने लगा। जब युनिनॉर टीम के जयदीप ने शुरूआत में ही मैच का पहला छक्का लगाया तब से ही खेल बेहद रोमांचक रहा।

चाइल्डलाइन टीम को वापस ट्रैक पर आने में देर नहीं लगी। उन्होंने बहुत अच्छी रणनीतियाँ बनाई और पूरे मैच के दौरान अपने विरोधियों को दौड़ाया। सब लोग खेल का इतना लुत्फ उठा रहे थे कि जिस मैच को पहले 7 ओवर तक खेलने का फैसला लिया गया था, उसे बढ़ाकर 10 ओवर तक खेलने का फैसला किया गया! पहली पारी के अंत तक युनिनॉर की टीम 46 रन बना सकी और उसके सारे खिलाड़ी आउट हो गए।

दूसरी पारी में भी कांटे का मुकाबला रहा और सभी की नज़रें खिलाड़ियों पर टिकी रही। कोई भी जन परिणाम का अनुमान नहीं लगा पा रहा था। खेल बहुत रोमांचक था और दर्शक अपने को रोक नहीं पा रहे थे। युनिनॉर की टीम अपने फॉर्म में थी और चाहे गेंद का पीछा करनी हो या गेंद को पीटना हो, किसी भी खिलाड़ी ने अपनी ओर से कोई कसर नहीं छोड़ी। **चाइल्डलाइन** टीम के बच्चों ने हर गेंद को बहुत अच्छी तरह खेलते हुए एक के बाद एक शॉट लगाए। बेहद जोशीले खेल के अंत में, **चाइल्डलाइन** की टीम 56 रनों से जीती!

चाइल्डलाइन टीम का आरंभिक बल्लेबाज, रोहित कड़ी मेहनत के खेलते हुए मैदान में खेल के अंत तक जमा रहा। वह क्रीज़ पर टिका रहा और उसकी इस अटलता ने उसे "मैन ऑफ द मैच" का खिताब दिलाया। मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह था जिसमें **चाइल्डलाइन** की टीम के सभी खिलाड़ियों को युनिनॉर के सीईएओ श्री मॉर्टेन कार्ल्सेन से सराहना के टोकन मिले।

चाइल्डलाइन इंडिया फाउन्डेशन की रिसोर्स मोबिलाइज़ेशन टीम से सुश्री अपर्णा श्रीवास्तव ने बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए और इससे भी बेहतर खेल का प्रदर्शन करने का प्रोत्साहन देने के लिए इस तरह का मंच प्रदान करने की खातिर सीआईएफ की ओर युनिनॉर को धन्यवाद दिया। इस तरह के यादगार दिन का हिस्सा बनने का मौका देने के लिए युनिनॉर टीम ने भी चाइल्डलाइन का आभार व्यक्त किया।

कोड़गु के शांतीहल्ली फेस्टिवल में चाइल्डलाइन

चाइल्डलाइन कोड़गु ने कर्नाटक के कोड़गु में शांतीहल्ली फेस्टिवल के दौरान **चाइल्डलाइन** के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए बच्चों और आम जनता के साथ 1098 पर आउटरीच का आयोजन किया।

श्रीनगर में मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता शिविर

श्रीनगर के बर्न हॉल स्कूल में मरियम वेलनेस सेंटर के साथ मिलकर **चाइल्डलाइन श्रीनगर** द्वारा आयोजित छात्रों के लिए मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम में 100 छात्रों ने भाग लिया। मानसिक स्वास्थ्य अधिकारी श्री आरिफ मघरिबि और मनोविज्ञानी तज़ीन मट्टो ने सत्र लिए और बच्चों के प्रश्नों के उत्तर दिए। **चाइल्डलाइन श्रीनगर** के कोऑर्डिनेटर श्री शब्बीर भट्ट ने **चाइल्डलाइन** 1098, बाल शोषण, बाल भिक्षावृत्ति के बारे में भी बात की।

देश भर की गतिविधियाँ

समकक्षियों का आदान प्रदान (पियर एक्सचेंज) – चाइल्डलाइन ज़ाम्बिया और नेपाल की टीमें चाइल्डलाइन इंडिया से मिली

चाइल्डलाइन इंडिया फाउन्डेशन ने जनवरी 2015 में दो **चाइल्डलाइन** हेल्पलाइन्स – **चाइल्डलाइन ज़ाम्बिया** और **चाइल्डलाइन नेपाल** के लिए एक सप्ताह तक चलने वाला पियर एक्सचेंज कार्यक्रम की मेजबानी की। पियर एक्सचेंज ने प्रतिभागियों को **चाइल्डलाइन** इंडिया द्वारा किए जा रहे कामों के बारे में जानकारी देने के साथ साथ अभिभूत किया और उनको ज्ञान साझा करने, प्रभावशाली पद्धतियों और बच्चों तक पहुँचने पर भारत से सबक लेने का मजबूत मंच मिला।

अपनी बात कहते डॉ.अंजिया पंदिरी, एग्ज़िक्यूटिव डायरेक्टर, सीआईएफ

इस कार्यक्रम का मकसद आपसी आदान प्रदान को आसान बनाना, राष्ट्रीय बाल प्रणालियों पर ज्ञान पाना था। सीआईएफ ने प्रतिभागियों को न सिर्फ लक्ष्य, **चाइल्डलाइन इंडिया** के सिद्धांतों पर जानकारी दी बल्कि उनको **चाइल्डलाइन** की दैनिक गतिविधियों से भी रूबरू कराया। टीम ने प्रतिभागियों को रणनीतियों और अनुभवों से भी अवगत कराया।

एक्सचेंज कार्यक्रम का लक्ष्य ज्ञान और **चाइल्डलाइन इंडिया** द्वारा अपनाए जा रही प्रभावशाली पद्धतियों को साझा करना था। इस कार्यक्रम ने बाल अधिकारों की अवधारणाओं, **चाइल्डलाइन** के सफर, **चाइल्डलाइन** के प्रारूपों, कॉल के उत्तरों, **चाइल्डलाइन** के मूलमंत्र और हस्तक्षेप के बुनियादी चरणों, जागरूकता रणनीतियों, दस्तावेजीकरण और **चाइल्डलाइन** की बाल सुरक्षा नीति के बारे में प्रतिभागियों को अंतर्दृष्टि भी दी। सभी प्रतिबहगियों ने अपने अनुभव बताए और अपनी अपनी **चाइल्डलाइन** हेल्पलाइन्स के लिए आउटरीच और समाज–आधारित रणनीतियों की संभावनाओं पर विचार किया।

थेनी की पंचायत के सदस्यों को सशक्त किया

समाज को संवेदनशील बनाने और उसी के जरिए बाल रक्षक माहौल की रचना करने में पंचायत बहुत अहम भूमिका निभाती है। पंजायत राज प्रणाली शक्तिशाली है और लोगों के सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक विकास और कल्याण के बारे में गंभीर है। हालांकि इस प्रणाली में बच्चों सहित हाशिए पर रहने वाले लोगों के कल्याण के लिए कुछ दिशानिर्देश दिए गए हैं लेकिन बच्चों के अधिकारों और उनकी रक्षा के पहलुओं पर ध्यान केंद्रित नहीं किया गया है। चाइल्डलाइन थेनी बे बच्चों के जिला स्तरीय मुद्दों को पहचानने, बच्चों के अधिकारों की रक्षा में स्टेकधारकों की भूमिका पहचानने और थेनी में 1098 तक पहुँचने के बारे में कई चर्चाओं का आयोजन किया।

चिल्ड्रन'स क्लब के सदस्य त्रिची में मिले

बच्चों की त्रिची स्थित बोशप हीबर कॉलेज में आयोजित सभी में चाइल्ड राइट्स क्लबों के सैंकड़ों सदस्यों ने सक्रियता से भाग लिया। स्टेट कमीशन

फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (एससीपीसीआर) के साथ मिलकर **चाइल्डलाइन त्रिची** द्वारा आयोजित इस सभा में नैशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (एनसीपीसीआर) की अध्यक्षा सुश्री कुशल सिंह, स्टेट कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स की अध्यक्षा श्रीमति सरस्वती रंगास्वामी और त्रिची के जिला शिक्षा अधिकारी की उपस्थिति में बच्चों संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई।

सदस्यों ने उपस्थित अधिकारियों के सामने अनेक मुद्दे और चिंताएँ पेश की। इस सभा का उद्देश्य चिल्ड्रन'स क्लब के सदस्यों को अपने मुद्दों, समस्याओं पर चर्चा करने और बच्चों को **चाइल्डलाइन** की गतिविधियों से अच्छी तरह परिचित कराने के लिए एक मंच प्रदान करना था।

देश भर की गतिविधियाँ

बंगलौर के 'मक्कला मेला' में चाइल्डलाइन

चाइल्डलाइन बंगलौर ने बंगलौर जिला बाल सुरक्षा इकाई द्वारा बंगलौर के बन्नाप्पा पार्क में आयोजित 'मक्कला मेला' (बच्चों का मेला) मेम 1098 के बारे में धूम मचाई। टीम ने **चाइल्डलाइन** स्टॉल लगाया और पैम्फलेट्स एवं स्टिकर बांटे। टीम द्वारा बाल अधिकारों पर दिखाए गए कठपुतली के खेल ने बहुत से लोगों को आकर्षित किया।

मेरठ में चाइल्डलाइन पर किए गए नुक्कड़ नाटक ने भारी भीड़ को आकर्षित किया

चाइल्डलाइन मेरठ ने बच्चों के मुद्दों और **चाइल्डलाइन** 1098 पर जागरूकता फैलाने के लिए मेरठ के बागपत स्टैंड पर एक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया।

त्रिवेंद्रम में ओपन हाउस

चाइल्डलाइन त्रिवेंद्रम ने त्रिवेंद्रम के एयिरूर्पारा में एक ओपन हाउस का आयोजन किया। इस सभा ने छात्रों को अपने विचार व्यक्त करने, पोथेनकोड पंचायत के अध्यक्ष, पुलिस अधिकारियों, **चाइल्डलाइन** की टीमों के साथ बात करने के साथ साथ उनकी समस्याओं को संबोधित किए जाने का मौका दिया। इसका फोकस बच्चों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर था और **चाइल्डलाइन** मानता है कि बच्चों को जगह प्रदान करने की जिम्मेदारी है।

'बाल श्रम' के खिलाफ लघु नाटक बेहद लोकप्रिय रहा

चाइल्डलाइन की बाल श्रम पर आधारित पुरस्कृत एनिमेशन फिल्म "एज्युकेशन काउंट्स" को पालघर जिले के वसई में सनस्टोन हाउज़िंग सोसाटी के सदस्यों ने अपने वार्षिक दिवस पर लघु नाटक के रूप में स्टेज पर पेश किया। इस लघु नाटक का मकसद बाल श्रम के बारे में जागरूकता फैलाना था। और वे सोसायटी के सैंकड़ों सदस्यों के सामने 'बाल श्रम को न कहें' का संदेश और **चाइल्डलाइन** के बारे में जानकारी देने में कामयाब रहे। सनस्टोन सोसायटी को बधाई!

क्या आपने अभी तक एज्युकेशन काउंट्स फिल्म नहीं देखी, उसे यहाँ पर देखें :... http://bit.ly/1947U4n

देश भर की गतिविधियाँ

डेलॉइट इम्पैक्ट डे

डेलॉइट के कर्मचारी बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाए

मानखुर्द शेल्टर होम में 28 नवंबर 2014 को डेलॉइट इम्पैक्ट डे मनाया गया। दिन की शुरूआत **चाइल्डलाइन** टीम के साथ मानखुर्द शेल्टर होम के अधिकारियों द्वारा 60 डेलॉइट कर्मचारियों का गर्मजोशी के साथ स्वागत करने से हुई, ये कर्मचारी बच्चों के साथ बातचीत करने और उनके साथ थोड़ा खुशगवार समय बिताने के लिए आए थे। परिचय के दौरान, वॉलेन्टियरों ने **चाइल्डलाइन** टीम को सुना जिसने **चाइल्डलाइन** 1098, **चाइल्डलाइन** बाल सुरक्षा नीति के बारे में जानकारी दी।

शेल्टर होम के बच्चे अपने नए दोस्तों को मिलकर उत्साहित थे और जल्द ही वे डेलॉइट की टीम के साथ घुल मिल गए। शेल्टर होम के माहौल को आकर्षक और खुशनुमा बनाने के लिए डेलॉइट की टीम ने शेल्टर होम की सभी दीवारों को अलग अलग कार्टून पात्रों के साथ पेन्ट किया। इससे बच्चों की आँखों में खुशी की चमक आ गई और वे इस गतिविधि से बहुत ज्यादा उत्साहित हो गए। उनका मकसद बच्चों के साथ बातचीत करना और उनको भी शामिल करके उस शेल्टर होम को बच्चों के लिए मज़ेदार जगह बनाना और इस कोशिश के जरिए सुरक्षा और बचाव के माहौल की रचना करना था।

दोपहर को, डेलॉइट की टीम ने सभी बच्चों के लिए एक ड्रॉइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। वॉलेन्टियरों ने ड्रॉइंग की सामग्री प्रदान की और बच्चों ने बहुत जोश एवं उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता में भाग लिया। वॉलेन्टियरों ने बच्चों को रंगों और आकारों के साथ अपनी भावनाएँ व्यक्त करने को प्रेरित किया। सभी बच्चों ने काफी अच्छी ड्रॉइंग्स बनाई जिससे न सिर्फ बच्चों में बल्कि डेलॉइट की टीम में भी उपलब्धि हासिल करने की भावना जागृत हुई। बाद में जब बच्चों को नहाने के तौलिए, साबुन, क्रेयॉन्स, पेन्स, पेंसिलें, रबड़, ड्रॉइंग की सामग्रियाँ, चॉकलेट और बिस्किट्स दिए गए तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। दौरे के अंत में, वॉलेन्टियरों ने शेल्टर होम के बच्चों और स्टाफ को उनके साथ बातचीत करने का प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

डेलॉइट हमेशा से ही **चाइल्डलाइन** का उत्साही समर्थक रहा है और वह हमेशा ही इस उद्देश्य में साथ निभाने को तत्पर रहता है। हमें पूरी उम्मीद है कि पिछले कुछ सालों में **चाइल्डलाइन** द्वारा डेलॉइट के साथ बनाए रिश्ते काफी लंबे समय तक चलेंगे। **चाइल्डलाइन** में मनाया गया डेलॉइट इम्पैक्ट डे एक वचन है कि डेलॉइट खुशहाल बचपन के अधिकार की जरूरत को समझता है और वह निरंतर देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले बच्चों के लिए मदद करने को **चाइल्डलाइन** को सहयोग देता रहेगा।

देश भर की गतिविधियाँ

चाइल्डलाइन से दोस्ती 2014

दोस्ती कूपनों के वितरण के साथ मार्केटिंग की कोशिश/डोनेशन की मुहिम के तौर पर शुरू होने वाली मुहिम आज देश–व्यापी जागरूकता और पूंजी जमा करने का अभियान बन चुका है। इस मुहिम का प्रस्ताव इस उम्मीद के साथ रखा गया था कि चलने वाले हर व्यक्ति के साथ एक 'दोस्त' बनाया जाए।

चाइल्डलाइन से दोस्ती स्थापित देश–व्यापी जागरूकता अभियान बन गया है जिसने साधारण नागरिक को बाल सुरक्षा में हिस्सेदार बना दिया है। समाज को बाल सुरक्षा का महत्व समझकर और पहचान कर इसमें शामिल करने का मकसद करने और उनकी सक्रियता से बच्चों के आसानी से शिकार बनने की संभावनाएँ कम करना था। साल–दर–साल **चाइल्डलाइन** का प्रतीक्षित समारोह **चाइल्डलाइन** से दोस्ती अतुलनीय जोश और उत्साह के साथ देश भर में मनाया जाता है।

14 नवंबर से 20 नवंबर तक, सप्ताह भर चलने वाले इस अभियान का लक्ष्य **चाइल्डलाइन** के लिए दोस्त बनाना है और इसे 1098 के बारे में जागरूकता फैलाने के गर्मजोशी से भरपूर और पसंदीदा पहल के तौर पर पेश किया जाता है। समाज के सभी तबकों के युवाओं और बुजुर्गों तक पहुँचना और बच्चों को पुलिस अधिकारियों, सहायक प्रणालियों, शैक्षणिक संस्थानों, युवाओं, कामकाजी व्यस्कों और कई अन्यों के रूप में उनके संरक्षकों से मिलाना। **चाइल्डलाइन** से दोस्ती सिर्फ एक पहल नहीं है बल्कि वह भारत में बच्चों के अधिकारों को मजबूती प्रदान करने का माध्यम है।

'दोस्ती सप्ताह' मज़े, रोमांच के साथ साथ स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर बदलाव लाने और बाल अधिकारों और बाल सुरक्षा के बारे में जानकारी देने का पर्याय है।

एक ऐसा समारोह जो हमारे बच्चों के लिए सुरक्षित माहौल की रचना करने और प्रदान करने की अवधारणा की याद दिलाता है। **चाइल्डलाइन** से दोस्ती उन लोगों को शामिल करता है जो लाखों बच्चों की ज़िंदगियों में बदलाव लाना चाहते हैं और उनको जानकार व्यक्ति बनाते हैं। यह वार्षिक अभियान बाल हितैषी समाज को बढ़ावा देने के **चाइल्डलाइन** के संदेश को फैलाने के लिए लोगों को महत्वपूर्ण संसाधन बनाने की कोशिश करता है। यह उन सभी को प्रभावित और गतिशील करना चाहता है जो बाल सुरक्षा को बेहतर बना सकते हैं और बच्चों की ज़िंदगियों में बदलाव ला सकते हैं।

यह सप्ताह **चाइल्डलाइन** द्वारा सभी शहरों और नगरों में अपने अपने क्षेत्र में आयोजित अनगिनत गतिविधियों से भरपूर था। इस अवधि में हस्ताक्षर अभियान से रेल यात्राओं तक, नुक्कड़ नाटकों से रैलियों तक, बच्चों के लिए खेलों से उनके लिए स्पर्धाओं तक और अन्य कई चीजों के साथ अनेक तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए। **चाइल्डलाइन** से दोस्ती में शामिल आयोजनों की एक झलक यहाँ दिखाई जा रही है :

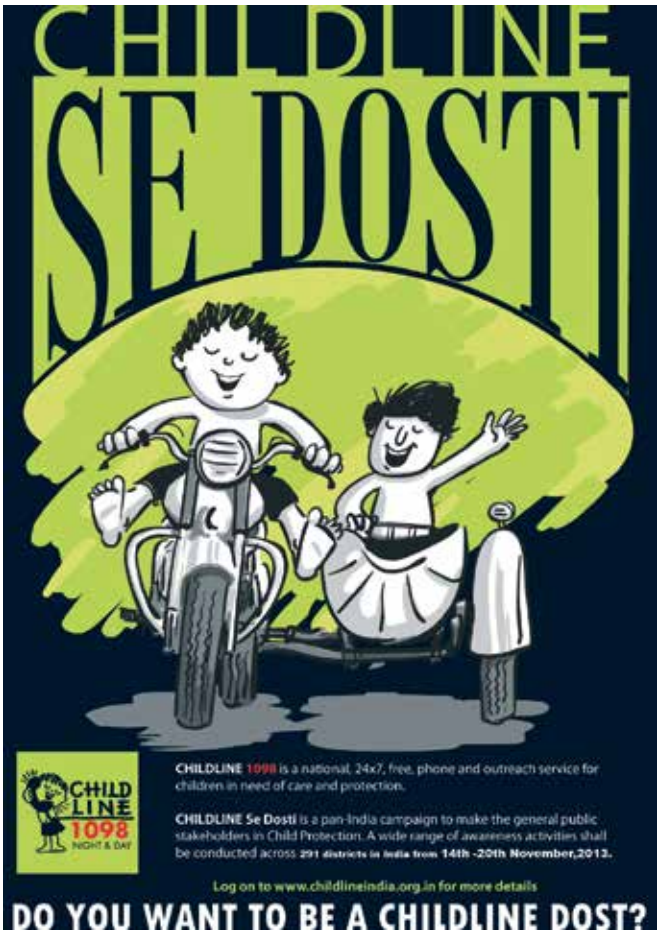

सप्ताह भर चलने वाले दोस्ती आयोजनों के दौरान 1098 पर जागरूकता कार्यक्रम, रिक्शा के माध्यम से पहुँच, हस्ताक्षर अभियानों, वॉकेथनों, रैलियों, पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा बंधन बांधने से नुक्कड़ नाटकों तक, भारत के हर शहर/जिला में समारोहों और गतिविधियों की धूम रही।

बाल सुरक्षा का मुद्दा जीवन के सभी तबकों में गूंजने लग गया है। बाल दिवस के उपलक्ष्य पर समाज को प्रतिज्ञा लेने और खुद को चाइल्डलाइन दोस्त बनने के लिए कटिबद्ध करने और देश भर में आयोजित अनेक रोमांचक समारोहों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।

देश भर की गतिविधियाँ

चाइल्डलाइन से दोस्ती प्रतिज्ञा

चाइल्डलाइन दोस्त वह इन्सान है जो मुसीबतजदा बच्चों को मदद देने में **चाइल्डलाइन** की सहायता करता है। **चाइल्डलाइन** दोस्त बनने के लिए आपको गौर से देखना है कि आपके आस पास क्या हो रहा है, जरूरत पड़ने पर कार्यवाही करें और बच्चों को बचाने में सहायता के लिए **चाइल्डलाइन** 1098 पर कॉल करें।

चाइल्डलाइन दोस्त के तौर पर आप, बाल सुरक्षा के दूत होंगे।

दोस्ती प्रतिज्ञा लें और बन जाएँ **चाइल्डलाइन दोस्त**।

डायल करें 1098
ऐसी किसी भी सहायता के लिए जिसे मेरे दोस्त की जरूरत हो सकती है

आपत्ति/विरोध जताएँ
मेरे दोस्त को पहुँचाए जाने वाली किसी भी तकलीफ के लिए

आवाज़ उठाएँ
मेरे दोस्त को तकलीफ देने वालों के खिलाफ

व्यवहार करें

मेरे दोस्त के साथ सम्मान, आदर और प्रेम का
मैं, वादा करता हूँ सच्चा **चाइल्डलाइन** दोस्त बनने का

ऑनलाइन दोस्ती प्रतिज्ञा के लिए यहाँ क्लिक करें :
http://www.childlineindia.org.in/1098/how-to-become-childline-dost.htm

देश भर की गतिविधियाँ

दिल्ली

शोर शराबे के साथ बच्चों के लिए मज़ेदार पार्टी

सीआईएफ द्वारा दिल्ली की सड़कों पर रहने वाले बच्चों के लिए मनाया जाने वाला वार्षिक उत्सव, बच्चों की बर्थडे पार्टी, हर एक बच्चे के लिए खास दिन था क्योंकि उनमें से ज्यादातर बच्चे उस दिन को अपने जन्मदिन की तरह मनाते हैं।

चाइल्डलाइन में, बच्चों के विचारों और फीडबैक को हमेशा अनमोल माना जाता है। बच्चों के साथ इस रिश्ते को आगे बढ़ाते हुए, **चाइल्डलाइन** ने बच्चों का जन्मदिन 15 नवंबर 2014 को मनाया। यह भोजन, संगीत, नृत्य और बच्चों के लिए अन्य मज़ेदार गतिविधियों से भरपूर मज़ेदार अनौपचारिक समारोह था।

चाइल्डलाइन दिल्ली की टीम और **चाइल्डलाइन इंडिया फाउन्डेशन** के साथ 400 से ज्यादा बच्चों ने पार्टी में भाग लिया और 'बच्चों की बर्थडे पार्टी' मनाने के लिए खुशी खुशी बर्थडे केक काटा। गुब्बारों और स्ट्रीमरों और अन्य मज़ेदार चीजों के बीच, बच्चों ने अपने बनाए कार्यक्रम पेश किए। फूड, ड्रिंक्स, म्युज़िक और ढेर सारी मस्ती से बच्चों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। हम अपने सभी समर्थकों को उनके समर्थन, पार्टी के दौरान निरंतर सहभागिता और इस आयोजन को बेहद सफल बनाने के लिए धन्यवाद देते हैं।

uninor THE PARK

फिरोज़पुर

रैली ने बाल अधिकारों पर जागरूकता फैलाई

चाइल्डलाइन फिरोजपुर द्वारा आयोजित रैली को फिरोज़पुर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री रमेश सेठिया के साथ डी.सी.एम.जैन स्कूल के चेयरमैन श्री दीपक जैन ने फ्लैग ऑफ किया। डी.सी.एम.जैन स्कूल के 300 से ज्यादा बच्चों ने रैली में भाग लिया। रैली ने सड़क और इधर उधर रहने वाले आसानी शिकार होने की संभावना वाले बच्चों की रक्षा की जरूरत के बारे में लोगों के बीच जागरूकता फैलाई।

रैली का दृश्य।

जागरूकता रैली निकाली

फिरोजपुर, 14 नवम्बर (कुमार): बाल मजदूरी को रोकने और बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों संबंधी जानकारी देने के लिए डी.सी.एम. जैन सीनियर सैकेंडरी स्कूल छावनी के बच्चों द्वारा जागरूकता रैली स्कूल के चेयरमैन दीपक जैन और चाइल्ड लाइन फाऊंडेशन इंडिया के डायरेक्टर राकेश सेतिया तथा को-आर्डीनेटर चमन लाल मोंगा ने झंडी देकर रैली को रवाना किया। यह रैली छावनी के बाजारों से होती हुई स्कूल

श्रीनगर

लघु नाटक 'थिंक अबाउट मी' (मैं ते सूंच्तव)

बच्चों ने बाल मजदूरी की मौजूदा समस्याओं को पेश करने के लिए एक लघु नाटक का मंचन किया, जिसे **चाइल्डलाइन श्रीनगर** द्वारा आयोजित किया गया। बच्चों के समूह ने बाल मजदूरी और बच्चों के मुद्दों पर आधारित 'थिंक

अबाउट मी' (मैं ते सूंच्तव) नामक लघु नाटक पेश किया। इस नाटक का लक्ष्य बाल अधिकारों और श्रीनगर में अंधाधुंध बाल मजदूरी पर जागरूकता फैलाना था, इससे यह संदेश दिया गया कि बच्चों को काम पर नहीं बल्कि स्कूल जाना चाहिए। जुवेनाइल होम (किशोर गृह) में रहने वालों के लिए वर्कशॉप जैसे आयोजन भी किए गए।

देश भर की गतिविधियाँ

गुरदासपुर

नशीली दवाओं की लत के खिलाफ एकता

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह के दौरान गुरदासपुर के अनेक स्कूलों के बच्चों को लक्ष्य बनाते हुए नशीली दवाओं की लत पर जागरूकता कार्यक्रम से डिस्ट्रिक्ट चाइल्ड वेल्फेयर काउंसिल और पंजाब शॉटकैन कराटे के साथ मिलकर आयोजित नैशनल ओपन कराटे चैम्पियनशिप तक अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

चाइल्डलाइन गुरदासपुर द्वारा आयोजित नशीली दवाओं की लत के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम में संदेश लिखे पोस्टरपकड़े और 'नशीली दवाओं को न कहो' जैसे नारे लगाते बच्चे मौजूद थे नशीली दवाओं के इस्तेमाल के खिलाफ जबरदस्त संदेश दिया गया। न्यु जिम्नाशियम हॉल में आयोजित ओपन कराटे चैम्पियनशिप 2014 में पंजाब, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात के अधिकारियों और जजों सहित 350 से ज्यादा बच्चों ने भाग लिया।

शिमला

1098 पर हस्ताक्षर अभियान ने बहुत से लोगों को आकर्षित किया

आम जनता को **चाइल्डलाइन** 1098 और बाल अधिकारों के बारे में बताने के लिए **चाइल्डलाइन शिमला** ने रिज में भव्य हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया। शिमला की चाइल्ड वेल्फेयर कमिटी के अध्यक्ष श्री ए डब्ल्यू खान ने हस्ताक्षर अभियान का उद्घाटन किया। इस अवसर अपने सहयोग की प्रतिज्ञा लेने के लिए 1500 से ज्यादा लोग सामने आए।

दैनिक न्याय सेतु
19 नवंबर, 2014

शिमला के रिज मैदान पर चाइल्ड लाइन शिमला की ओर से आयोजित हस्ताक्षर अभियान में हस्ताक्षर करते युवा। डीएनएस

बच्चों के अधिकारों पर जागरूकता के लिए चलाया हस्ताक्षर अभियान

डीएनएस न्यूज, शिमला

चाइल्ड हेल्पलाइन ने रिज से किया आगाज

चाइल्ड हेल्पलाइन की ओर से रिज मैदान पर मंगलवार को हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य बच्चों के अधिकारों, जीवित रहने का अधिकार, भागीदारी का अधिकार, संरक्षण का अधिकार, विकास का अधिकार, बच्चों की सुरक्षा व स्वास्थ्य तथा शिक्षा के अधिकारों के बारे में अभिभावकों

अभियान का आगाज बाल कल्याण समिति अध्यक्ष एडब्लू खान ने किया। अप्रवासी बच्चों द्वारा बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष को पुष्प गुच्छ भेंट किया व अन्य सदस्यों को सुरक्षा बंधन बांधा गया। चाइल्ड लाइन शिमला का यह मित्रता सप्ताह चल

विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से सभी लोगों को बच्चों के अधिकारों के बारे में बताया गया और साथ में चाइल्ड लाइन में 24 घंटे चलने वाली राष्ट्रीय आपातकालीन सेवा 1098 के बारे में भी जानकारी दी गई। हस्ताक्षर अभियान दो दिन तक चलाया जाएगा। इस अभियान में करीब 1500 से अधिक लोगों ने बच्चों के अधिकारों व सुरक्ष

देश भर की गतिविधियाँ

जम्मू

'दोस्ती सप्ताह' यादगार बनाने के लिए रंगोली प्रतियोगिता

चाइल्डलाइन से दोस्ती 2013 सप्ताह के भाग के तौर पर, चाइल्डलाइन 1098 के बारे में बताने के लिए चाइल्डलाइन जम्मू ने बहुत सी पहलें की। पूरे जम्मू में जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित कुछ मुख्य कार्यक्रमों में बच्चों के लिए रंगोली प्रतियोगिता, सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम, बच्चों के लिए प्रतियोगिताएँ शामिल हैं।

पठानकोट

बच्चों ने 1098 पर रैली निकाली

पूरे जालन्धर के कई स्कूलों के एनसीसी कैडेटों सहित 500 से ज्यादा बच्चों ने **चाइल्डलाइन** 1098 और बाल अधिकारों पर जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित रैली में भाग लिया। **चाइल्डलाइन** से दोस्ती के संबंध में **चाइल्डलाइन पठानकोट** द्वारा आयोजित को पठाकोट के एमएलए श्री अश्वनी शर्मा, पठानकोट के डेप्युटी कमीश्नर श्री सुखविंदर सिंह ने फ्लैग ऑफ किया। बैंड्स बजाते एनसीसी कैडेटों और हाथों में पोस्टरएवं बैनर पकड़े और बाल अधिकारों के बारे में नारे लगाते बच्चों से जबरदस्त संदेश दिया गया।

पटियाला

'सुरक्षा बंधन' ने 1098 पर बात फैलाई

चाइल्डलाइन पटियाला ने **चाइल्डलाइन** 1098 पर जागरूकता फैलाने के मकसद से **चाइल्डलाइन** से दोस्ती मनाने के लिए सरकारी दस्तरों, पुलिस स्टेशनों और सार्वजनिक स्थलों पर भव्य सुरक्षा बंधन अभियान का आयोजन किया। **चाइल्डलाइन** टीम के साथ बच्चों ने पटियाला के डेप्युटी कमीश्नर श्री वरुण रूजम, पुलिस सुपरिटेन्डेंट श्री प्रितपाल सिंह थिंड और पटियाला के सभी पुलिस स्टेशनों में पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा बंधन बांधा। इसके बाद जनता को बाल अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जालन्धर

छात्रों ने बाल अधिकारों पर आयोजित रैली में भाग लिया

देश भर की गतिविधियाँ

चाइल्डलाइन जालन्धर ने बाल अधिकारों और **चाइल्डलाइन** पर जागरूकता फैलाने के लिए एक रैली आयोजित की जिसमें जालन्धर के चिंतित नागरिकों के साथ स्कूली बच्चों और चाइल्डलाइन टीम ने जोर शोर से भाग लिया। आम जनता तक संदेश पहुँचाने के लिए बच्चों ने **चाइल्डलाइन** पोस्टर और बैनर पकड़कर रंग बिरंगी पोशाकों में रैली निकाली। बच्चों के लिए जागरूकता कार्यक्रमों जैसे अन्य समारोह भी आयोजित किए गए।

अजमेर

शानो शौकत भरे 'दोस्ती' समारोह

चाइल्डलाइन से दोस्ती समारोहों को यादगार बनाने के लिए, **चाइल्डलाइन अजमेर** ने **चाइल्डलाइन** 1098 पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से कलक्टर कार्यालय और पुलिस स्टेशनों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। बच्चों को सहभागी बनाने और उनको 1098 के बारे में जानकारी देने के लिए अजमेर में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सप्ताह की मुख्य झलकियाँ बाल अधिकारों पर ड्रॉइंग प्रतियोगिता, हस्ताक्षर अभियान, सुरक्षा बंधन और बच्चों के लिए दिलचस्प गतिविधियाँ रहीं।

अन्य पहलों में कलक्टर कार्यालय और पुलिस स्टेशनों पर जागरूकता कार्यक्रम, स्कूली बच्चों के लिए रैली और सरकारी अधिकारियों एवं पुलिस कर्मचारियों को सुरक्षा बंधन और बच्चों के लिए कठपुतली शो शामिल हैं।

बाड़मेर

बच्चों के लिए ड्रॉइंग प्रतियोगिता

चाइल्डलाइन बाड़मेर द्वारा आयोजित ड्रॉइंग प्रतियोगिता में 50 से अधिक बच्चों ने बहुत मज़ेदार समय बिताया। इस समारोह में बच्चों ने 'बाल अधिकार', '**चाइल्डलाइन** 1098' जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मकता दिखाई।

भीलवाड़ा

बच्चों तक पहुँचने के लिए 'बाल अधिकारों' पर विशेष कार्यक्रम

बाल अधिकारों पर जागरूकता फैलाने के लिए, **चाइल्डलाइन भीलवाड़ा** ने, भीलवाड़ा के बच्चों के लिए बाल अधिकारों पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया ताकि वे अपनी प्रतिभाएँ दिखा सकें और कठपुतली शो के दौरान **चाइल्डलाइन** टीम के साथ बातचीत कर सकें। बाल अधिकारों पर आयोजित कार्यक्रम में सैंकड़ों बच्चों ने भाग लिया।

बच्चों ने **चाइल्डलाइन** के सदस्यों के साथ पुलिस अधिकारियों, जिला

देश भर की गतिविधियाँ

प्रशासन के अधिकारियों, टीचरों और समाज के अन्य सदस्यों को सुरक्षा बंधन बांधा। इस समारोह का आयोजन मुसीबतजदा बच्चों की सहायता में उनके लगातार सहयोग की सराहना के प्रतीक के तौर पर किया गया था। हस्ताक्षर अभियान, बच्चों के लिए कठपुतली शो, 1098 पर जागरूकता कार्यक्रम, बच्चों के लिए प्रतियोगिता जैसे समारोह भी आयोजित किए गए।

कठपुतली देख पुलकित हुआ मन

भीलवाड़ा के राबाउमावि में गुरुवार को कठपुतली प्रदर्शनी देखती छात्राएं। इनसेट कठपुतली प्रदर्शन करते कलाकार।

बच्चों ने लिया चाइल्ड लाइन से जुड़ने का संकल्प

भीलवाड़ा. कट्स मानव विकास केन्द्र की ओर से चाइल्ड लाइन सेवा 1098 के तहत राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय गुलमण्डी में कठपुतली प्रदर्शन किया गया। कठपुतली देख बच्चे प्रसन्न हो गए। केन्द्र के परियोजना समन्वयक मदनलाल कीर ने बातया कि राजु भाट और दल ने यह मंचन किया। यहां इस आयोजन के माध्यम से बच्चों को बाल हिंसा, घरेलू हिंसा, बाल श्रम, बाल विवाह, बाल यौन हिंसा, अनाथ व गुमशुदा बच्चों की मदद से जुड़ी जानकारी मांगी। प्रधानाचार्य गीता गुर्जर ने विचार व्यक्त किए। चाइल्ड लाइन की अनुराधा तोलम्बिया ने दोस्ती सप्ताह की जानकारी दी। रिजवान कुरैशी, हेमन्तसिंह सिसोदिया ने विचार व्यक्त किए।

सोलन

अभावग्रस्त बच्चों के साथ बाल दिवस मनाया

सोलन के काथेर खानाबदोश क्षेत्र के 30 से ज्यादा बच्चों ने **चाइल्डलाइन** और बच्चों संबंधित विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता फैलाने के लिए पहली बार बाल दिवस के खास आयोजनों में भाग लिया। टीम ने बच्चों के लिए ड्रॉइंग प्रतियोगिता, गतिविधियों और खेलों का संचालन किया और बच्चों ने गीत भी गाए और स्पोर्ट्स एवं क्राफ्ट के आयोजनों में भी भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में टीम द्वारा बच्चों को खिलौने, खाद्य पदार्थ और मिठाइयाँ भी बांटी गई। **चाइल्डलाइन सोलन** की ओर से पुलिस अधिकारियों और सहायक प्रणालियों को बच्चों की रक्षा करने में निरंतर सहयोग देने के लिए सुरक्षा बंधन जैसे अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

हरिद्वार

डॉक्टरों और नर्सों के लिए जागरूकता कार्यक्रम

चाइल्डलाइन हरिद्वार ने हरिद्वार के डॉक्टरों और नर्सों को बाल अधिकारों के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए **चाइल्डलाइन** 1098 पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। **चाइल्डलाइन** ने अस्पताल के अन्य स्टाफ के बीच 1098 सेवा पर जागरूकता फैलाने के लिए इस मौके का फायदा उठाया।

बच्चों के लिए खेल और ड्रॉइंग प्रतियोगिता, सरकारी अधिकारियों और बाल रक्षा अधिकारियों, जिला बाल रक्षा अधिकारियों के साथ सुरक्षा बंधन जैसे अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

देश भर की गतिविधियाँ

वाराणसी

अभावग्रस्त बच्चों के लिए मौज मस्ती से भरपूर पार्टी

चाइल्डलाइन 1098 के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए चाइल्डलाइन वाराणसी ने **चाइल्डलाइन** से दोस्ती समारोहों को यादगार बनाने की खातिर बच्चों की पार्टी का आयोजन किया। यह अभावग्रस्त बच्चों के लिए विशेष जलसा था जिन्होंने **चाइल्डलाइन वाराणसी** द्वारा संचालित कई तरह की गतिविधियों से भरपूर विशेष पार्टी का आनंद उठाया। यह खाद्य पदार्थों, संगीत, नृत्य और अन्य मज़ेदार गतिविधियों से भरी आनंददायक पार्टी थी।

और भी ज्यादा लोगों तक पहुँचने के लिए, बैनरों से सजी मोबाइल वैन में **चाइल्डलाइन** टीम ने शहर के ज्यादा से ज्यादा स्थान को कवर किया।

चाइल्डलाइन टीम के साथ बच्चों ने पुलिस अधिकारियों और सहायक प्रणालियों को उनकी रक्षा करने में निरंतर सहयोग देने के लिए सुरक्षा बंधन बांधा।

मुम्बई

चाइल्डलाइन के बारे में संदेश फैलाने के लिए आईसीटी छात्रों ने फ्लैश मॉब किया

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह मनाने के लिए, मुम्बई स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी के छात्रों के समूह ने ने **चाइल्डलाइन मुम्बई** के साथ मिलकर बाल अधिकारों और चाइल्डलाइन 1098 पर जागरूकता फैलाने की उम्मीद में बेहद जोश के साथ कुछ अनपेक्षित मज़ा बिखेरा। 15 नवंबर 2014 को मुम्बई के जुहू बीच पर आईसीटी छात्रों द्वारा किए गए फ्लैश मॉब में रोमांच और दयालुता की भावना देखी गई; उन्होंने अपने समकक्षियों से सहयोग की यह विशाल लहर की रचना की।

देश भर की गतिविधियाँ

15 नवंबर की शाम को सैंकड़ों छात्र जुहू बीच पर जमा हुए; यह भी शनिवार की अन्य शामों की तरह तट को चूमने को बेताब सूरज की किरणों से रोशन एक शाम थी। तभी अचानक, पूरा माहौल 'धिंका–चिंका' की लहरियों से भर उठा और तट पर मौजूद छात्रों का समूह अकेला ही उस पर नाचने लगा और देखते ही देखते सैंकड़ों अन्य छात्र भी लोकप्रिय धुनों पर थिरकते हुए दर्शकों को लुभाने लगे।

हालांकि, शुरू शुरू में तो दर्शकों थोड़ी दुविधा में थे लेकिन बाद में वे बेहद उत्साहित होकर उनका उत्साह बढ़ाने लगे। यह **चाइल्डलाइन** के उद्देश्य के लिए एकजुट होकर बेहद शानदार परफॉर्मेन्स थी। **चाइल्डलाइन** मुम्बई ने जमा लोगों और आस पास के लोगों को संबोधित किया।

धन्यवाद आवाज़ – परिवर्तन की इस लहर के लिए मुम्बई के आईसीटी की मंजर टीम को

खंडवा

पुलिस अधिकारियों के साथ सुरक्षा बंधन

खंडवा के पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा बंधन बांधकर बच्चों ने सुरक्षा बंधन अभियान की शुरूआत की। यह सांकेतिक क्रिया बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि घर से भागे बच्चे ज्यादातर सबसे पहले पुलिस के संपर्क में ही आते हैं। हस्ताक्षर अभियान, 1098 पर जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

बिरभुम

पुलिस के साथ सुरक्षा बंधन अभियान

चाइल्डलाइन बिरभुम द्वारा आयोजित सुरक्षा बंधन अभियान में **चाइल्डलाइन** टीम के साथ बच्चों ने पुलिस अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों, एनजीओ कार्यकर्ताओं और रेल सुरक्षा बल को सुरक्षा बंधन बांधा। जब टीम ने प्रतिभागियों को जागरूकता सामग्री बांटी और सुरक्षा बंधन बांधा तब उन्होंने **चाइल्डलाइन** को अपना सहयोग देने की प्रतिज्ञा ली। सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम, बच्चों के लिए हस्ताक्षर अभियान का भी आयोजन किया गया।

देश भर की गतिविधियाँ

दिमापुर

चाइल्डलाइन बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाया!

एक्सोडस डिसएबल पीपल ऑर्गेनाइज़ेशन फेडरेशन के साथ मिलकर **चाइल्डलाइन दिमापुर** ने दिमापुर के कॉन्वेंट चर्च परिसर में बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम को दिमापुर के कॉन्वेंट चर्च ने प्रायोजित किया था। इस कार्यक्रम की विशेषता असमर्थ बच्चों और प्रोडीगाल्स होम में रहने वाली लड़कियों द्वारा पेश किए गए कार्यक्रम थे। अन्य गतिविधियों में खेल, बच्चों के लिए कपड़ों का वितरण शामिल हैं और बच्चों को दोपहर का भोजन भी दिया गया। इसके बाद गवर्नमेन्ट हायर सेकेंडरी स्कूल में स्पोर्ट्स का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न एनसीएलपी केंद्रों के 40 बच्चों ने स्पून रेस, रनिंग रेस, ब्लाइंड हिट, बलून रेस, म्युज़िकल चेयर आदि अलग अलग खेलों में भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में, **चाइल्डलाइन** ने सभी बच्चों को पुरस्कार और उपहार बांटें और साथ ही नाश्ता वगैरह भी दिया गया।

गुवाहाटी

बच्चों के लिए 'सांस्कृतिक समारोह'

चाइल्डलाइन से दोस्ती समारोहों के दौरान, पूरे गुवाहाटी से शिशु सरोथी, स्नेहालय, भास्कर नगर हैप्पी चिल्ड्रन क्लब और हिराम्बपुर हैप्पी चिल्ड्रन क्लब नामक बच्चों के कई गृहों के रंग बिरंगी वेश भूषा वाले बच्चों ने बाल कल्याण समिति, श्रम विभाग, जिला प्रशासन, जिला बाल सुरक्षा इकाई, टीचरों, छात्रों और दोस्तों, एनजीओ कार्यकर्ताओं के समावेश वाले मेहमानों को ङ्सांस्कृतिक सम ारोहङ् में मंत्रमुग्ध कर दिया। **चाइल्डलाइन गुवाहाटी** द्वारा आयोजित ङ्सांस्कृतिक समारोहङ् ने बच्चों को अपनी प्रतिभाएँ दिखाने का मंच प्रदान किया।

शिलॉन्ग

पुलिस अधिकारियों के साथ सुरक्षा बंधन

चाइल्डलाइन टीम के साथ बच्चों ने शिलॉन्ग के रिन्जा, मदनरिटिंग और नोंग्थीम्मई स्टेशन पुलिस अधिकारियों को बच्चों की रक्षा करने में निरंतर सहयोग देने के लिए सुरक्षा बंधन बांधा। 1098 पर जागरूकता कार्यक्रम, बच्चों के लिए प्रतियोगिताओं जैसे अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

सिल्चर

स्कूली बच्चों ने 1098 पर रैली निकाली

चाइल्डलाइन और बाल अधिकारों एवं सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सिल्चर के विभिन्न स्कूलों से रैली निकालने के लिए 100 से ज्यादा बच्चों का समूह जमा हुआ। **चाइल्डलाइन सिल्चर** द्वारा आयोजित इस रैली में समाज के सभी तबके के लोगों, जिला प्रशासन के अधिकारियों, एनजीओ कार्यकर्ताओं, चाइल्डलाइन टीम, टीचरों, स्कूल के स्टाफ ने भाग लिया।

देश भर की गतिविधियाँ

उदयपुर

सार्वजनिक स्थलों पर चाइल्डलाइन का जागरूकता अभियान

आम जनता को बाल अधिकारों और जरूरत के समय संपर्क किए जाने वाले व्यक्तियों के बारे में शिक्षित करने के लिए **चाइल्डलाइन उदयपुर** ने विशाल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यह सप्ताह भर चलने वाले अभियान का एक भाग था, जिसमें **चाइल्डलाइन** के बारे में संदेश पहुँचाने के लिए ब्रम्हाबारी मोटर स्टैंड, रमेश चौमुहनी, राजरबाग स्टैंड, जमतला मोटर स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थलों पर लोगों से बात करना शामिल था। पुलिस, सहायक प्रणालियों एवं सरकारी अधिकारियों के बीच मुद्दे के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए **चाइल्डलाइन** द्वारा इस मुहिम में ऑटो रिक्शा ड्राइवरों के साथ स्टिकर/पोस्टर अभियान और हस्ताक्षर अभियान चलाना शामिल था।

किशनगंज

'चाइल्डलाइन से दोस्ती' सप्ताह के दौरान किशनगंज में **चाइल्डलाइन किशनगंज** द्वारा **चाइल्डलाइन** 1098 पर जागरूकता कार्यक्रम से लेकर छात्रों को बाल अधिकारों पर निकाली गई रैली में शामिल करना, कठपुतली का शो, बच्चों के लिए किशनगंज के डी.एम.मीटिंग हॉल में जिला अधिकारियों के साथ खुले फोरम तक कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

रायपुर

गवर्नर ने बच्चों के साथ नाता जोड़ा

इस बाल दिवस को कुछ अलग बनाने के लिए, **चाइल्डलाइन रायपुर** द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में **चाइल्डलाइन** टीम के साथ 4 बच्चों ने छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री बलरामजी टंडन से मिले और उनको **चाइल्डलाइन** 1098 को समय पर सहयोग देने के लिए धन्यवाद देते हुए सुरक्षा बंधन बांधा। उनके लिए यह एक यादगार दिन था क्योंकि उनको छत्तीसगढ़ के राज्यपाल से मिलने का मौका मिला था। राज्यपाल ने बच्चों और **चाइल्डलाइन** टीम के साथ बातचीत की और बच्चों को उनके करियर में महान सफलता के लिए शुभ कामनाएँ दी।

गुंटूर

मीडिया के लिए बाल अधिकारों पर वर्कशॉप

गुंटूर में **'चाइल्डलाइन से दोस्ती'** अभियान की शुरूआत गुंटूर के आईएएस, कलेक्टर और जिला मेजिस्ट्रेट श्री कांतिलाल डांडे द्वारा **चाइल्डलाइन** से दोस्ती पोस्टर जारी करने से हुई।

मीडियाकर्मियों को बाल अधिकारों और बाल सुरक्षा पर संवेदनशील बनाने के लिए **चाइल्डलाइन गुंटूर** द्वारा 15 नवंबर 2014 को गुंटुर के अरुंदेल्पेट स्थित गीता रिजेन्सी में एक दिन की वर्कशॉप आयोजित की गई। इसमें भाग लेने के लिए प्रिन्ट और टीवी मीडिया के 25 से ज्यादा पत्रकारों एवं समाचार फोटोग्राफरों ने एक दिन की छुट्टी ली। गुंटूर की चाइल्ड वेल्फेयर कमिटी (सीडब्ल्यूसी) के अध्यक्ष श्री डी.रोशन कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

देश भर की गतिविधियाँ

बाल अधिकारों और बाल सुरक्षा से तैयार किए गए स्रोत व्यक्तियों ने कानून, परामर्श और मेडिकल प्रोफेशनलों ने अधिकारियों की दिलचस्पी बनाए रखी और उनको बाल सुरक्षा के तीन स्तंभों की मूलभूत बातें बताई। **चाइल्डलाइन** टीम ने **चाइल्डलाइन** 1098, हस्तक्षेप किए गए मामलों, बच्चों से जुड़े मुद्दों को शामिल करते हुए एक सत्र लिया। इसके बाद प्रतिभागियों के साथ आपसी बातचीत वाला एक सत्र था जिसमें चर्चा की गई कि बच्चों के सर्वोत्तम हित की रक्षा में मीडिया की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। इस वर्कशॉप का लक्ष्य बाल संवेदी रिपोर्टिंग पर मीडियाकर्मियों को संवेदनशील बनाना; बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए संवेदनशील और वर्जित कहानियाँ बताने में नैतिक मानकों को बनाए रखने के तरीके बताना था।

हैदराबाद

बाल शोषण के खिलाफ एकजुट – वॉकेथन ने 1098 और बाल अधिकारों पर संदेश फैलाया

हैदराबाद में **चाइल्डलाइन** से दोस्ती आयोजनों को **चाइल्डलाइन** वॉकेथन ने एकदम अलग बना दिया, यह बाल अधिकारों और बाल शोषण पर जागरूकता फैलाने के लिए क्राइम इनवेस्टिगेशन डिपार्टमेन्ट (सीआईडी) के साथ मिलकर **चाइल्डलाइन हैदराबाद** द्वारा 19 नवंबर को हैदराबाद में चलाई गई मुहिम थी।

टेनिस खिलाड़ी और तेलंगाना राज्य की ब्रान्ड एम्बैसेडर सुश्री सानिया मिर्ज़ा ने श्री अजय मिश्रा, आईएएस, प्रिंसिपल सेक्रेटरी होम्स, तेलंगाना राज्य और

श्री अनुराग शर्मा, आईएएस, डीजीपी, तेलंगाना राज्य की उपस्थिति में वॉकेथन को फ्लैग ऑफ किया।

वॉकेथन की एम्बैसेडर सुश्री सानिया मिर्ज़ा ने वॉकेथन में बच्चों की प्रतिभागिता पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, "**चाइल्डलाइन** के उद्देश्य का हिस्सा बनने पर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। यह अभियान मेरे दिल के काफी करीब है क्योंकि हम सब जानते हैं कि बाल अधिकार कितने महत्वपूर्ण हैं और हर बच्चे को अच्छे स्पर्श और बुरे स्पर्श के बारे में मालूम होना चाहिए।"

अवसर पर बोलते हुए डीजीपी श्री अनुराग शर्मा ने कहा, "बच्चों की यौन शोषण से रक्षा प्रत्येक नागरिक की संयुक्त सामाजिक जिम्मेदारी है और हमें बाल अधिकारों की रक्षा के लिए दृढ़ता से खड़े होना चाहिए और बच्चों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना चाहिए।"

बच्चों ने सुश्री सानिया मिर्ज़ा और श्री अनुराग शर्मा, आईएएस, डीजीपी, तेलंगाना राज्य को **चाइल्डलाइन** सुरक्षा बंधन बांधा।

इस समारोह में युवा वॉलेन्टियरों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम जनता का भरपूर सहयोग दिया और भाग लिया, वे सब **चाइल्डलाइन** 1098 पर जागरूकता फैलाने के लिए एक दूसरे का हाथ पकड़कर चले। इस अनूठे वॉकेथन का मकसद बाल अधिकारों और सुरक्षा के मुद्दों के बारे में समाज में जागरूकता लाना और भव्य अभियान चलाना था। छात्रों ने लोगों के बीच बाल अधिकारों और **चाइल्डलाइन** 1098 पर जागरूकता फैलाने के लिए पोस्टर पकड़े हुए थे।

जिला प्रशासन के अधिकारियों, पुलिस विभाग, श्रम विभाग, सीडब्ल्यूसी और जेजेबी सदस्यों, एनएसएस और एनसीसी छात्रों, मीडिया प्रतिनिधियों

सहित समाज के अनेक तबकों और **चाइल्डलाइन** टीम के साथ विभिन्न सरकारी और निजी स्कूलों एवं कॉलेजों के 6,000 से ज्यादा कॉलेज और स्कूली छात्रों ने **चाइल्डलाइन** से दोस्ती आयोजनों के भाग के तौर पर आयोजित सीएसडी वॉकेथन में भाग लिया।

देश भर की गतिविधियाँ

कुर्नूल

सुरक्षा बंधन, बाल अधिकारों पर शपथ ने चाइल्डलाइन से दोस्ती को खास बनाया

कुर्नूल के '**चाइल्डलाइन** से दोस्ती' सप्ताह में बच्चों के साथ संदेश फैलाने, सुरक्षा बंधन, 1098 पर जागरूकता कार्यक्रम जैसी अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। **चाइल्डलाइन कुर्नूल** ने उप मुख्यमंत्री, एमएलए, अध्यक्ष, ज़िला पंचायत, एसपी, संयुक्त कलेक्टर, डब्ल्यूसीडी अधिकारियों और अन्य सहायक विभाग अधिकारियों के साथ भव्य सुरक्षा बंधन अभियान का आयोजन किया।

स्कूल आउटरीच पर, **चाइल्डलाइन** टीम ने युवा दर्शकों को **चाइल्डलाइन** से दोस्ती आयोजनों के भाग के तौर पर आयोजित अनेक कार्यक्रमों के साथ रोमांचित किया। टीम ने पैम्फ्लेट्स, पोस्टर और स्टिकर बांटे और उनके साथ **चाइल्डलाइन** के बारे में बातें की और छात्रों को बाल अधिकारों पर शपथ दिलाई।

वारंगल

वारंगल में स्वास्थ्य शिविर

चाइल्डलाइन से दोस्ती के मौके पर, **चाइल्डलाइन वारंगल** ने बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस शिविर से केजीबीवी हसनपार्थी, केजीबीवी खानपुर, सोशल वेल्फेयर स्कूल रायापार्थी के 800 से ज्यादा अभावग्रस्त बच्चों और महिलाओं को लाभ मिला।

नियमित स्वास्थ्य जाँच, कुपोषित बच्चों का उपचार, गर्भवती महिलाओं की प्रसूति पूर्व और प्रसूति पश्चात देखभाल, स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता के बारे में समाज की महिलाओं को परामर्श, खून की कमी का उपचार, परिवार नियोजन को प्रोत्साहन और दवाओं का मुफ्त वितरण इस शिविर की विशेषताएँ थी। शिविर में टुथ पेस्ट, टुथ ब्रश और मुफ्त दवाएँ बांटी गई।

विज़ियानाग्राम

बाल अधिकारों पर मानव श्रृंखला

'चाइल्डलाइन से दोस्ती' समारोहों को यादगार बनाने के लिए समाज के सभी तबके के लोगों के साथ छात्रों ने एक मानव श्रृंखला बनाई। बच्चों के साथ **चाइल्डलाइन विज़ियानाग्राम** की टीम के सदस्यों के नेतृत्व वाली मानव श्रृंखला ने जनसंख्या के एक-तिहाई से ज्यादा हिस्से वाले बच्चों के बुनियादी अधिकारों की रक्षा करने की जरूरत को प्रमुखता से पेश किया। **चाइल्डलाइन** टीम ने बाल विवाह, बाल मजदूरी और यौन शोषण सहित बाल शोषण के विभिन्न रूपों के खिलाफ बाल अधिकारों पर शपथ दिलाई।

बंगलौर

अभिनेत्री मेघना गोअनकर ने बच्चों के साथ समय बिताया

देश भर की गतिविधियाँ

बंगलौर में **चाइल्डलाइन** से दोस्ती समारोहों की शुरूआत बच्चों द्वारा कर्नाटक सरकार की महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सुश्री उमाश्री को सुरक्षा बंधन बांधने से हुई। **चाइल्डलाइन बंगलौर** द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन बच्चों के साथ सुश्री उमाश्री और अभिनेत्री मेघना गोअनकर ने किया।

फ्रीडम पार्क में आयोजित इस कार्यक्रम में पूरे बंगलौर से सैंकड़ों बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को संबोधित करते हुए, मंत्री महोदया ने बच्चों को उनके उत्साह और प्रयत्नों एवं अपनी विलक्षण प्रतिभाएँ प्रदर्शित करने के लिए बधाई दी। उसके बाद मेघना गोअनकर के साथ आपसी बातचीत वाला सत्र हुआ, जिन्होंने उत्साहित बच्चों के साथ समय बिताया।

बेलगाम

प्रेस मीट ने मीडियाकर्मियों को संबोधित किया

बेलगाम में आयोजित **चाइल्डलाइन** से दोस्ती समारोहों में मीडिया रिपोर्टिंग के दौरान देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले बच्चों पहचान गोपनीय रखते हुए, बाल सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर पत्रकारों को संवेदनशील बनाने के लिए पत्रकारों की सभा, पत्रकारों को **चाइल्डलाइन,** उसकी कार्यशैली और मीडिया के जरिए आम जनता तक चाइल्डलाइन 1098 पर जागरूकता फैलाने का महत्व शामिल थे।

बेल्लारी

'चाइल्डलाइन से दोस्ती' ने बाल अधिकारों पर जागरूकता फैलाई

बाल अधिकारों के विषय पर ध्यान केंद्रित करते हुए, **चाइल्डलाइन बेल्लारी** ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें **चाइल्डलाइन** से दोस्ती समारोहों को खास बनाने के लिए विभिन्न स्कूलों के छात्रों को लक्ष्य किया गया। रैली और हस्ताक्षर अभियान के दौरान समर्पित **चाइल्डलाइन** नंबर 1098 को व्यापक पैमाने पर प्रचारित किया गया।

बिदर

बिदर में विशाल स्कूल जागरूकता अभियान

चाइल्डलाइन बिदर ने स्कूली बच्चों को बाल अधिकारों और **चाइल्डलाइन** 1098 पर संवेदनशील बनाने और स्कूली बच्चों को शामिल के लिए 1098 पर जागरूकता अभियान चलाया। 1098 पर संचालित सत्रों और जागरूकता कार्यक्रमों में सैंकड़ों बच्चों की मौजूदगी के साथ यह अभियान काफी सफल रहा।

देश भर की गतिविधियाँ

गुलबर्ग

कलबुर्गी रेलवे स्टेशन पर बाल अधिकारों पर हस्ताक्षर अभियान

चाइल्डलाइन गुलबर्ग द्वारा कलबुर्गी रेलवे स्टेशन पर आयोजित हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत कलबुर्गी रेलवे स्टेशन के मैनेजर श्री डी वी रमन्ना राव ने की। कलबुर्गी रेलवे स्टेशन के स्टाफ के कई सदस्य और यात्री आगे आए और उन्होंने अभियान को सहयोग देने की प्रतिज्ञा ली।

हस्सन

बच्चों ने 1098 पर रैली में भाग लिया

चाइल्डलाइन हस्सन द्वारा **चाइल्डलाइन** पर आयोजित रैली में 1098 पर जागरूकता फैलाने के लिए टीचरों, स्कूल के स्टाफ के साथ साथ बच्चों और **चाइल्डलाइन** टीम ने भाग लिया। रैली ने सड़कों और इधर उधर रहने वाले आसानी से शिकार हो सकने वाले बच्चों की सुरक्षा की जरूरत के बारे में आम जनता को जबरदस्त संदेश दिया।

कोडगु

छात्रों के लिए ड्रॉइंग प्रतियोगिता

चाइल्डलाइन 1098 पर जागरूकता फैलाने के लिए, **चाइल्डलाइन कोडगु** ने कोडगु के विभिन्न स्कूलों में 1098 पर जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए। 50 से ज्यादा बच्चों ने अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने वाले कार्यक्रम के दौरान खूब मज़ा किया।

मदिकेरी

पोक्सो अधिनियम 2012 पर कानूनी शिविर

चाइल्डलाइन मदिकेरी ने मदिकेरी के गवरमेन्ट हाई स्कूल में मदिकेरी के सीडब्ल्यूसी, डीसीपीयू, डीएमओ के सदस्यों के लिए प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सैक्सुअल ऑफेन्सिस) (पोक्सो) अधिनियम 2012 पर कानूनी शिविर आयोजित किया। इस शिविर में भाग लेने के लिए 50 से ज्यादा अधिकारियों ने अपने काम से एक दिन का अवकाश लिया। एक दिन की इस वर्कशॉप का लक्ष्य प्रतिभागियों को पोक्सो अधिनियम 2012 के बारे में जानकारी देना और प्रतिभागियों को बाल यौन शोषण, बाल अधिकारों और बाल सुरक्षा के मुद्दों पर संवेदनशील बनाना था। स्रोत व्यक्तियों ने कानून, परामर्श और मेडिकल प्रोफेशनलों,**चाइल्डलाइन** टीम ने अधिकारियों की दिलचस्पी बनाए रखी और उनको बाल सुरक्षा के तीन स्तंभों की मूलभूत बातें बताई। सुश्री आरती सोमैय्या, अध्यक्षा, सीडब्ल्यूसी, मदिकेरी, सीडब्ल्यूसी, सीडब्ल्यूसी के सदस्य, मदिकेरी, आरसीएच मेडिकल अधिकारी, जिला मेडिकल अधिकारी भी उपस्थित थे।

मंगलौर

पुलिस अधिकारियों के साथ सुरक्षा बंधन

चाइल्डलाइन मंगलौर टीम के साथ बच्चों ने आईजीपी कार्यालय, एसपी कार्यालय, एसीपी कार्यालय और पूरे मंगलौर के शहर स्तरीय पुलिस स्टेशनों

देश भर की गतिविधियाँ

के अधिकारियों सुरक्षा बंधन बांधा और उनकी सुरक्षा में उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। अन्य गतिविधियों में सरकारी अधिकारियों के साथ जागरूकता कार्यक्रम, चाइल्डलाइन टीम द्वारा नाइट आउटरीच शामिल थे।

मैसूर

ऑटो ड्राइवरों के लिए जागरूकता कार्यक्रम

1098 पर संदेश फैलाने की कोशिश में, **चाइल्डलाइन मैसूर** ने शहर के रिक्शा चालकों के बीच जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया। इस कार्यक्रम में लगभग 700 रिक्शा चालकों ने भाग लिया। आपसी बातचीत के दौरान, प्रतिभागियों को चाइल्डलाइन 1098 और मुसीबत में फंसे बच्चों को बचाने की कड़ी में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया गया। टीम ने स्टिकरों और पैम्फ्लेट्स सहित जागरूकता सामग्री बांटी और प्रतिभागियों को सुरक्षा बंधन बांधा और उसके बदले में उन्होंने चाइल्डलाइन को सहयोग देने की प्रतिज्ञा ली। सायकल रैली, 1098 पर जागरूकता कार्यक्रम जैसे अन्य समारोहों का भी आयोजन किया गया।

कालीकट

जेजे अधिनियम और पोक्सो अधिनियम 2012 पर वर्कशॉप

चाइल्डलाइन कोज़ीकोडे ने किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2000 और प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सैक्सुअल ऑफेन्सिस) (पोक्सो) अधिनियम 2012 पर गवरमेन्ट लॉ कॉलेज में वर्कशॉप का आयोजन किया ताकि जेजे अधिनियम और पोक्सो अधिनियम के प्रभावशाली क्रियान्वन पर चर्चा की जा सके। पुलिस के सहायक कमीश्नर श्री जोसी चेरियन ने जमा लोगों को संबोधित किया।

एक दिन की इस वर्कशॉप में प्रतिभागियों को जेजे अधिनियम और पोक्सो अधिनियम 2012 के बारे में जानकारी दी गई और प्रतिभागियों को बाल यौन शोषण, बाल अधिकारों और बाल सुरक्षा के मुद्दों पर संवेदनशील बनाया गया। छात्र पुलिस कैडेट्स के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, मादक और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ अभियान जैसे अन्य समारोह भी आयोजित किए गए।

कोट्टयम

चाइल्डलाइन से दोस्ती को खास बनाने के लिए 'बाल अधिकारों' पर कार्यक्रम

पूरे कोट्टयम के अनेक स्कूलों से सैंकड़ों बच्चे **चाइल्डलाइन कोट्टयम** द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए एकजुट हुए। समारोहों में बच्चों के लिए सुरक्षित माहौल और बच्चों के उचित शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ और रहने की शालीन स्थितियाँ प्रदान करने की जरूरत को प्रमुखता से पेश किया गया।

देश भर की गतिविधियाँ

कोच्ची

उप कमीश्नर बच्चों के साथ घुली मिली

कोच्ची में **'चाइल्डलाइन** से दोस्ती' समारोहों को खास बनाने के लिए **चाइल्डलाइन कोच्ची** ने "कुरुमोज़ी कोंचल" नामक आपसी बातचीत वाला कार्यक्रम आयोजित किया। कोचीन कॉर्पोरेशन के विभिन्न स्कूलों के 100 से अधिक छात्रों को 14 नवंबर 2014 को कोच्ची की उप कमीश्नर सुश्री निशान्थिनी आईपीएस के साथ बातचीत करने का मौका मिला। सुरक्षा बंधन अभियान में, **चाइल्डलाइन** टीम के साथ बच्चों ने सिविल स्टेशन परिसर में सरकारी अधिकारियों की कलाइयों पर सुरक्षा बंधन बांधा।

पलाक्कड़

पलाक्कड में 'बाल अधिकारों की रक्षा के लिए आवाह्न'

चाइल्डलाइन से दोस्ती 2013 सप्ताह के भाग के तौर पर, **चाइल्डलाइन पलाक्कड़** ने जीवीएचएसएस अगली में चाइल्डलाइन पर जागरूकता फैलाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों द्वारा जिला कलेक्टर, आईएएस, श्री के.रामचंद्रन को सुरक्षा बंधन बांधने से हुई। इस अवसर पर जमा लोगों को संबोधित करते हुए श्री के.रामचंद्रन ने बाल अधिकारों के महत्व के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में अभिभावकों और टीचरों सहित 400 से ज्यादा बच्चों ने भाग लिया। बच्चों के लिए ड्रॉइंग प्रतियोगिता, मेडिकल शिविर, मलामपुज़ा में बाल दिवस आयोजन, ट्रेन आउटरीच जैसे अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

देश भर की गतिविधियाँ

थ्रिसुर

थ्रिसुर में 'कोमल' फिल्म की स्क्रीनिंग

थ्रिसुर में **चाइल्डलाइन** से दोस्ती अभियान की शुरूआत **चाइल्डलाइन थ्रिसुर** द्वारा पुलिस सुपरिटेन्डेंट कार्यालय में विशेष कार्यक्रम के आयोजन से हुई। थ्रिसुर के सिटी पुलिस कमीश्नर श्री जैकब जॉब ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। गवरमेन्ट वी.एच.एच.स्कूल रामवरमपुरम के छात्रों ने श्री जैकब जॉब और अन्य उपस्थित अतिथियों को सुरक्षा बंधन बांधा।

सप्ताह भर चलने वाले आयोजनों की विशेषता रेलवे, स्थानीय मीडिया के सहयोग से बाल यौन शोषण पर भव्य जागरूकता अभियान थी। इस मुद्दे पर जागरूकता बढ़ाने और बच्चों को बाल यौन शोषण आधारित **चाइल्डलाइन** की फिल्म कोमल को रेलवे और स्थानीय चैनलों पर स्क्रीनिंग के लिए व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल किया गया और समाचार पर दिखाकर बच्चों को अपने साथ हुई उन तकलीफदेह घटनाओं के बारे में बात करने की हिम्मत दिलाई जिनका उन्हें अनुभव हुआ था लेकिन वे अभी तक उसके बारे में बताने का साहस नहीं जुटा सके थे।

कन्नूर

कन्नूर में बालसभा सलाहकारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

जिला कुदुम्बसरी मिशन के साथ मिलकर **चाइल्डलाइन कन्नूर** ने कन्नूर जिले में बालसभा सलाहकारों के लिए बाल अधिकारों और कानून पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। बालसभाएँ बच्चों का संगठित नज़दीकी नेटवर्क है। हर सभा में 5–15 साल की आयु वर्ग वाले 15–30 बच्चे होते हैं और उसका मकसद बच्चों की क्षमताएँ बढ़ाकर गरीबी के पीढ़ी–दर–पीढ़ी हस्तांतरण को रोकना है।

जिला कलेक्टर श्री पी.बाला किरण ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री मैथ्यू थेल्लियिल, सीडब्ल्यूसी, चेयरमैन कन्नूर, डॉ.उम्मेर फारूख, सदस्य, सीडब्ल्यूसी, कन्नूर ने बाल अधिकारों और कानून के विभिन्न पहलुओं पर सत्र लिए। कन्नूर की विभिन्न पंचायतों के 60 से ज्यादा प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

दिलचस्प बात यह रही कि, कन्नूर में **चाइल्डलाइन** से दोस्ती अभियान के भाग के तौर पर, जिला कलेक्टर ने पूरे कन्नूर जिले के सभी स्कूलों में **चाइल्डलाइन** की फिल्म कोमल की स्क्रीनिंग का सर्क्युलर जारी किया।

वयानाद

बाल अधिकारों पर रैली में विशाल जनसमूह

देश भर की गतिविधियाँ

चाइल्डलाइन वयानाद द्वारा बाल अधिकारों पर आयोजित रैली में शहर के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया। **चाइल्डलाइन,** बाल अधिकारों और बाल सुरक्षा पर जागरूकता फैलाने के मकसद से निकाली गई इस रैली में 600 से ज्यादा छात्रों ने भाग लिया। स्कूल लीडर्स मीट, मीनांगदी स्थित जवाहर विकास भवन में बाल अधिकारों और **चाइल्डलाइन** पर प्रदर्शनी, जिला कलेक्टर, आईएएस केशवेन्द्र कुमार के साथ सुरक्षा बंधन, बी.एड छात्रों के लिए 1098 पर जागरूकता सत्र, बच्चों के लिए ओपन हाउस, बाल सुरक्षा पर वर्कशॉप जैसे अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

कुड्डालोर

चाइल्डलाइन पर जागरूकता फैलाना

चाइल्डलाइन 1098 पर जागरूकता फैलाने की कोशिश में, चाइल्डलाइन कुड्डालोर ने कई कार्यक्रमों का आयोजन किया ताकि वे आम जनता और बच्चों तक पहुँच सकें। दोस्ती सप्ताह में प्रतिज्ञाओं, नागरिकों को संवेदनशील बनाने के लिए जागरूकता सत्र जैसे समारोह भी थे।

உலக குழந்தைகள் கொடுமைகளுக்கு எதிரான தினம்: கடலூரில் கடைபிடிப்பு

धरमपुरी

धरमपुरी में सुरक्षा बंधन

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह के भाग के तौर पर, **चाइल्डलाइन धरम पुरी** ने पूरे जिले में जागरूकता फैलाने के लिए कई पहलें की। टीम के साथ बच्चों ने सरकारी अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और सहायक प्रणालियों के सदस्यों को सुरक्षा बंधन बांधा और उनकी सुरक्षा में उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

कांचीपुरम

कांचीपुरम में प्रेस मीट

चाइल्डलाइन से दोस्ती समारोहों के भाग के तौर पर, **चाइल्डलाइन कांचीपुरम** ने मीडियाकर्मियों को बाल सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर संवेदनशील बनाने के लिए एक दिवसीय सभा का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न स्थानीय मीडिया संगठनों के 20 से ज्यादा मीडियाकर्मियों ने भाग लिया। टीम ने पत्रकारों को **चाइल्डलाइन,** उसके काम और 1098 पर जागरूकता फैलाने के महत्व के बारे में जानकारी दी।

नमाक्कल

छात्रों ने नमाक्कल में बाल विवाह के खिलाफ प्रतिज्ञा ली

पूरे नमाक्कल के 165 सरकारी स्कूलों के सैंकड़ों बच्चों ने नमाक्कल के स्कूलों में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह के खिलाफ प्रतिज्ञा ली। **चाइल्डलाइन नमाक्कल** द्वारा आयोजित कार्यक्रम में, बच्चों ने प्रतिज्ञा ली कि वे लड़कियों के 18 साल और लड़कों के 21 साल पूरे होने से पहले विवाह नहीं करेंगे और यदि अपने क्षेत्र में इस तरह का मामला देखेंगे तो उसके बारे में अधिकारियों को सूचित करेंगे। उन्होंने अपने क्षेत्र में बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जागरूकता फैलाने का आश्वासन भी दिलाया।

पुडुकोट्टई

सुरक्षा बंधन, सांस्कृतिक समारोह ने चाइल्डलाइन से दोस्ती को विशेष बनाया

चाइल्डलाइन पुडुकोट्टई द्वारा **चाइल्डलाइन** से दोस्ती समारोहों के भाग के तौर पर, बच्चों के लिए सांस्कृतिक समारोह, सरकारी अधिकारियों के साथ सुरक्षा बंधन सहित अलग अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। एक विशेष कार्यक्रम में, 50 से ज्यादा बच्चों ने बड़े उत्साह से अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया।

तंजवौर

सुरक्षा बंधन ने 1098 पर संदेश फैलाया

चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह के भाग के तौर पर, **चाइल्डलाइन तंजवौर** ने **चाइल्डलाइन** और बाल अधिकारों पर जागरूकता फैलाने के लिए अनेक पहलें की। इस कार्यक्रम में बच्चों, उनके अभिभावकों, टीचरों, पंचायत के अधिकारियों ने भाग लिया।

देश भर की गतिविधियाँ

त्रिची

रेल यात्रा : बच्चों की हितैषी जगहों के लिए अभियान

चाइल्डलाइन से दोस्ती समारोहों के भाग के तौर पर, **चाइल्डलाइन त्रिची** द्वारा आम जनता को बाल अधिकारों पर संवेदनशील बनाने के लिए त्रिची रेलवे जंक्शन पर विशाल जागरूकता अभियान चलाया गया। श्री सेंथिल किहावेसन, डिवीजनल सिक्योरिटी कमीश्नर ने त्रिची रेलवे जंक्शन वईगई एक्सप्रेस को फ्लैग ऑफ किया, जिसमें बच्चों की सुरक्षा की जरूरत पर ज़ोर देने और उनके अधिकारों को प्रोत्साहित करने वाले बैनर और सामग्री लगी थी। एचआईवी–एड्स ग्रस्त बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम, सुरक्षा बंधन और नागरिकों को संवेदनशील बनाने के लिए जागरूकता सत्र जैसे अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

CITY EXPRESS
THE NEW INDIAN EXPRESS

Train Ride to make Public Aware About Crimes Committed against Children

Members from child line distributing awareness pamphlets on Protection of Children from Sexual Offences in Tiruchy Railway Station | EXPRESS

We distributed pamphlets to passengers, stating the role of general public in providing protection to children

विरुधुनगर

जिला कलेक्टर के साथ सुरक्षा बंधन

चाइल्डलाइन पर बच्चों और आम जनता तक पहुँचने की कोशिश में, **चाइल्डलाइन विरुधुनगर** ने जिला कलेक्टर, डीआरओ और आरटीओ के साथ सुरक्षा बंधन से शुरूआत करते अनेक समारोहों और गतिविधियों के साथ **चाइल्डलाइन** से दोस्ती सप्ताह मनाया। इसके बाद बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन आदि जैसी सार्वजनिक जगहों पर हस्ताक्षर अभियान, जागरूकता अभियान चलाए गए।

शिमोगा

सप्ताह भर चलने वाले **चाइल्डलाइन** से दोस्ती अभियान के दौरान, **चाइल्डलाइन शिमोगा** ने टिप्पु नगर में बच्चों से उनके अधिकारों के बारे में बात की।

यूएनसीआरसी... 25

युनाइटेड नेशन्स कन्वेंशन ऑन द राइट्स ऑफ द चाइल्ड (यूएनसीआरसी) की 25वीं सालगिरह मनाई गई

कन्वेंशन ऑन द राइट्स ऑफ द चाइल्ड (सीआरसी) बच्चों के बुनियादी अधिकार और बच्चों के अधिकार पूरे करने में सरकारों के उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के लिए 18 वर्ष से कम आयु वाले सभी लोगों की देखभाल के सार्वजनिक मानकों को रेखांकित करता है। बाल अधिकारों पर सबसे पहली इस अतुलनीय संधि को 1989 में युनाइटेड नेशन्स जनरल असेम्बली द्वारा अपनाया गया और भारत सरकार ने 1992 में यूएन कन्वेंशन ऑन द राइट्स ऑफ द चाइल्ड (यूएनसीआरसी) को अपनाया जो बच्चे के सर्वोच्च हितों की रक्षा में सभी राजकीय पक्षों द्वारा अनुपालन किए जाने वाले मानक बताता है। आज 194 देशों द्वारा स्वीकृत यूएनसीआरसी सभी अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकारों की संधियों में से सबसे ज्यादा स्वीकृत है। 2014 में कन्वेंशन ऑन द राइट्स ऑफ द चाइल्डअपनाए जाने की 25वीं सालगिरह मनाई गई।

बच्चों और युवा लोगों की व्यस्कों के तौर पर बुनियादी सामान्य मानव अधिकार एक समान ही होते हैं और कुछ खास अधिकार भी होते हैं जो उनकी विशेष जरूरतें पूरी करते हैं लेकिन बच्चों की अधिकारों के प्रति समझ उनकी आयु के आधार पर अलग अलग होती है और अभिभावकों को उनके द्वारा चर्चा किए जाने वाले मुद्दों, बच्चों के प्रश्नों के उत्तर देने के तरीकों और अनुशासन के तरीकों को खास तौर पर हर बच्चे की आयु और परिपक्वता के हिसाब से तैयार करना चाहिए।

बाल अधिकार क्या हैं?

अधिकार एक अनुबंध या समझौता है उस अधिकार को पाने वाले व्यक्तियों (अक्सर 'अधिकार–धारक' कहा जाता है) और उन अधिकारों को पूरा करने के संबंध में जिम्मेदार या उत्तरदायित्व निभाने वाले व्यक्तियों या संस्थानों (अक्सर उनको 'कर्तव्य–पदाधिकारी' कहा जाता है) के बीच। बाल अधिकार विशिष्ट मानव अधिकार हैं जो 18 वर्ष से कम आयु वाले सभी मनुष्यों पर लागू होते हैं।

इतिहास में बच्चों के अधिकारों को रेखांकित करने वाली अनेक अंतर्राष्ट्रीय संधियाँ और दस्तावेज बने हैं। द्वितीय विश्व युद्ध से पहले 1924 में राष्ट्रों के संघ (लीग ऑफ नेशन्स) ने जिनीवा डिक्लेरेशन ऑफ द राइट्स ऑफ द चाइल्ड को अपनाया था। संयुक्त राष्ट्र संघ (युनाइटेड नेशन्स) (यूएन) ने 1946 में युनाइटेड नेशन्स इंटरनैशनल चिल्ड्रन'स एमरजेन्सी फंड (1953 में इसका नाम छोटा करके युनाइटेड नेशन्स चिल्ड्रन'स फंड कर दिया गया, लेकिन युनिसेफ का मशहूर एक्रोनेम (लोगो) रखा गया) स्थापित करके बाल अधिकारों के महत्व की घोषणा करने की दिशा में पहला कदम उठाया था। दो सालों बाद यूएन जनरल असेम्बली ने मानव अधिकारों की सार्वजनिक घोषणा को अपनाकर, उसे बच्चों की सुरक्षा की जरूरत को पहचानने वाला पहला दस्तावेज बना दिया।

यूएन का बाल अधिकारों पर खास तौर पर केंद्रित पहला दस्तावेज डिक्लेरेशन ऑन द राइट्स ऑफ द चाइल्ड था, लेकिन यह कानूनी बाध्यता वाला दस्तावेज बनने की बजाय सरकारों के लिए आचरण की नैतिक मार्गदर्शिका बन गया। 1989 में वैश्विक समुदाय द्वारा युनाइटेड नेशन्स कन्वेंशन ऑन द राइट्स ऑफ द चाइल्ड को अपनाए जाने पर , यह बाल अधिकारों संबंधित पहला अंतर्राष्ट्रीय कानूनी बाध्यता वाला दस्तावेज बना।

बच्चों के अधिकारों का समूह बनाने की पहल की शुरूआत 1978 में पोलैन्ड सरकार द्वारा मानव अधिकार आयोग को ड्राफ्ट दस्तावेज जमा कराने से हुई। स्वीडन के रड्डा बर्नेन, इंटरनैशनल चाइल्ड कैथोलिक ब्यूरो और डिफेन्स फॉर चिल्ड्रन इंटरनैशनल सहित कई छोटे एनजीओ और युनाइटेड नेशन्स ह्युमन राइट्स विशेषज्ञों के समावेश वाले गठन द्वारा कन्वेंशन को ड्राफ्ट करने में एक दशक का समय लगा।

बाल अधिकार और यूएनसीआरसी

बाल अधिकार विशिष्ट मानव अधिकार हैं जो 18 वर्ष से कम आयु वाले सभी मनुष्यों पर लागू होते हैं। सार्वजनिक तौर पर, बाल अधिकारों को युनाइटेड नेशन्स और युनाइटेड नेशन्स कन्वेंशन ऑन द राइट्स ऑफ द चाइल्ड (यूएनसीआरसी) द्वारा परिभाषित है। यूएनसीआरसी के अनुसार, बाल अधिकार न्यूनतम हक और स्वतंत्रता है जो जाति, रंग, लिंग, भाषा, धर्म, मतों, मूलों, पूंजी, जन्म स्थिति या क्षमता में भेदभाव किए बिना 18 वर्ष से कम आयु वाले सभी व्यक्तियों को दी जानी चाहिए और इसीलिए सभी जगह के लोगों पर लागू होता है। यूएन इन अधिकारों को पारस्परिक निर्भरता वाले मानता है।

कन्वेंशन ऑन द राइट्स ऑफ द चाइल्ड क्या कहती है?

कन्वेंशन ऑन द राइट्स ऑफ द चाइल्ड कहती है कि बच्चों संबंधित सभी क्रियाओं में,ङ्कबच्चों के सर्वोच्च हितों पर प्रमुखता से गौर होना चाहिए।ङ्कसीआरसी कई अन्य अंतर्राष्ट्रीय संधियों में बताए गए अधिकारों को इकट्ठा करती है। कन्वेंशन और अन्य संधियों के बीच कई समानताएँ हैं। कन्वेंशन में अधिकारों की समानता और आपसी संबंधों पर ज़ोर दिया गया है। सरकारी की जिम्मेदारियों के अलावा, दूसरे के अधिकारों खास तौर पर एक दूसरे के अधिकारों का सम्मान करने की जिम्मेदारी बच्चों और अभिभावकों पर भी होती है।

सीआरसी आर्थिक शोषण और नुकसानदायक काम, हर तरह के लैंगिक शोषण और दुर्व्यवहार एवं शारीरिक और मानसिक हिंसा से सुरक्षित रखे जाने के अधिकार के साथ साथ बच्चों को उनके परिवार से अलग न किए जाना सुनिश्चित करने सहित बच्चों के मूलभूत अधिकारों को रेखांकित करती है। इन चार वर्गों में बच्चे के सभी नागरिक, राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक अधिकार आते हैं।

यूएनसीआरसी... 25

चार प्रमुख सिद्धांत

कन्वेंशन ऑन द राइट्स ऑफ द चाइल्ड में बाल अधिकारों के चार प्रमुख वर्गों के अंतर्गत 54 आर्टिकल्स आते हैं जिन पर विशेष ज़ोर दिया गया है। इनको 'सामान्य सिद्धांत' भी कहा जाता है। ये अधिकार यूएन कन्वेंशन में अतिरिक्त अधिकारों की रक्षा के लिए आधार हैं।

- कि यूएनसीआरसी द्वारा आश्वासित सभी अधिकार किसी भी प्रकार के भेदभाव के बिना सभी बच्चों को उपलब्ध होने चाहिए (आर्टिकल 2);
- कि बच्चों संबंधित सभी क्रियाओं में बच्चों के सर्वोच्च हितों पर प्रमुखता से गौर होना चाहिए (आर्टिकल 3);
- कि प्रत्येक बच्चे को जीवन, जीवित रहने और विकास का अधिकार है (आर्टिकल 6); और
- कि बच्चे को प्रभावित करने वाले सभी मामलों में उसके विचार पर गौर करना चाहिए और ध्यान देना चाहिए (आर्टिकल 12)।

1. प्रत्येक बच्चा बराबर (समान) है : बच्चों को कभी भी उनकी जाति, रंग, लिंग, धर्म, राष्ट्रीय, सामाजिक या जातीय मूल की वजह से या किसी राजनैतिक अथवा अन्य मत के कारण; उनकी जाति, संपत्ति या जन्म की स्थिति की वजह से; या उनकी विकलांगता के कारण न तो कोई फायदा होना चाहिए और न ही कुछ सहन करना चाहिए।

2. बच्चे का सर्वोच्च हित : बच्चों को प्रभावित करने वाले कानूनों और क्रियाओं में उनके हितों को सबसे ऊपर रखना चाहिए और बेहतरीन संभव तरीके से उनको लाभ पहुँचाना चाहिए।

3. उत्तरजीविता, विकास और सुरक्षा : बच्चे के जन्म लेने से पहले ही उसका उत्तरजीविता का अधिकार शुरू हो जाता है। उत्तरजीविता के अधिकार में जन्म लेने का अधिकार, भोजन, आश्रय और कपड़ों के न्यूनतम मानकों का अधिकार और सम्मान के साथ जीने का अधिकार शामिल है।

उत्तरजीविता के अधिकार में बच्चे के जीवन का अधिकार और पोषण, आश्रय, उचित जीवनशैली एवं मेडिकल सेवाओं पाने जैसी अस्तित्व की एकदम मूलभूत जरूरतें शामिल हैं।

विकास के अधिकार में शिक्षा, खेल, आराम, सांस्कृतिक गतिविधियों, जानकारी पाने और सोचने, अंतःकरण एवं धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार शामिल हैं।

सुरक्षा का अधिकार रिफ्यूजी बच्चों की विशेष देखभाल सहित बच्चों को सभी तरह के दुर्व्यवहारों, उपेक्षा और शोषण से सुरक्षा, बच्चों को आपराधिक न्यायिक प्रणाली में सुरक्षित रखना; रोज़गार में बच्चों के लिए सुरक्षा; किसी भी प्रकार के शोषण या दुर्व्यवहार का शिकार बने बच्चे की सुरक्षा और पुनर्वास सुनिश्चित करना है।

बच्चे की सहभागिता : प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से बच्चे को शामिल करने वाले किसी भी फैसले में सहभाग करने का अधिकार बच्चे के पास है। बच्चे की आयु और परिपक्वता के आधार पर सहभागिता के स्तर अलग अलग हैं। उसके पास उसे प्रभावित करने वाले हर फैसले में अपनी बात कहने और उनके विचारों पर गौर करवाए जाने का अधिकार है और वे अपने विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता के हकदार हैं और उनके सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक जीवन को प्रभावित करने वाले मामलों में अपनी बात कहने का अधिकार है। सहभागिता के अधिकारों में बच्चों की विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता, उनके अपने जीवनों को प्रभावित कर ने वाले मामलों में अपनी बात कहने, संगठनों में भर्ती होने और शांतिपूर्वक जमा होने का समावेश है। जैसे जैसे उनकी क्षमताएँ विकसित होती हैं, बच्चों को व्यस्क होने की तैयारी में समाज की गतिविधियों में सहभाग करने के ज्यादा अवसर मिलने चाहिए।

कन्वेंशन के कार्यान्वन पर किस तरह नज़र रखी जाती है?

स्वतंत्र विशेषज्ञों की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चयनित संस्था, कमिटी ऑन द राइट्स ऑफ द चाइल्ड और सभी राजकीय पक्षों द्वारा दो वैकल्पिक प्रोटोकॉल्स, कन्वेंशन के कार्यान्वन पर नज़र रखते हैं। पहली रिपोर्ट कन्वेंशन मंजूर के दो साल बाद आनी चाहिए और उसके बाद हर पाँच सालों में सामयिक रिपोर्ट जमा करानी चाहिए। कमिटी की सभा जिनीवा में होती है और आम तौर पर हर साल तीन सत्र रखे जाते हैं। हर सत्र में एक–सप्तहा का सत्र–पूर्व कार्यकारी समूह और संपूर्ण कमिटी के साथ तीन–सप्ताह होते हैं।

यूएनसीआरसी को ऑनलाइन से ज्यादा जानकारी पाएँ :.....
http://childlineindia.org.in/United-Nations-Convention-on-the-Rights-of-the-Child.htm

चाइल्डलाइन डैशबोर्ड

गुजरात के दाहोद में सीआईएफ द्वारा आयोजित एनजीओ मीट में सभा को संबोधित करते श्री निकी जे.प्रेमानंद, डब्ल्यूआरआरसी, सीआईएफ

मेरठ में आयोजित ओपन हाउस के दौरान चाइल्डलाइन टीम की बात गौर से सुनते सिटी वोकेशनल पब्लिक स्कूल के छात्र

ओपन हाउस के दौरान **चाइल्डलाइन जम्मू** द्वारा बाल अधिकारों और बाल सुरक्षा पर दिखाए गए नुक्कड़ नाटक को उत्साह से देखते गवरमेन्ट मिडल स्कूल, जम्मू के छात्र

चाइल्डलाइन देवघर ने 'श्रावणी मेला 2014' के दौरान देवघर में 1098 पर संदेश फैलाने के लिए माह भर चलने वाला जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

चाइल्डलाइन कोप्पल द्वारा आयोजित स्रोत संगठन मीटिंग में सीडब्ल्यूसी, डीसीपीयू और अन्य एनजीओ के सदस्यों सहित 50 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने भाग लिया

पोक्सो अधिनियम, बाल अधिकारों और **चाइल्डलाइन** पर दक्षिण कन्नड पुलिस के अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के लिए डीसीपीयू के सहयोग से **चाइल्डलाइन मंगलौर** द्वारा पोक्सो अधिनियम 2012 पर वर्कशॉप आयोजित की गई

डीएलएसए के साथ मिलकर **चाइल्डलाइन मंड्या** द्वारा आयोजित जिला स्तरीय वर्कशॉप "कुपोषण और स्कूल से भागे बच्चों की भर्ती" का उद्घाटन माननीय जस्टिस एन.के.पाटील, न्यायाधीश हाई कोर्ट, कर्नाटक ने किया

चाइल्डलाइन पुडुचेरी द्वारा आयोजित बाल अधिकारों के महत्व पर जागरूकता फैलाने के लिए बाल शोषण के खिलाफ अभियान में कम्युनिटी सर्विस स्कीम के 100 से ज्यादा कैडेट्स ने सक्रियता से भाग लिया

विज़्डम हाई स्कूल में **चाइल्डलाइन वारंगल** द्वारा बाल सुरक्षा पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में श्री के चक्रवर्ती, डीएसपी, सुश्री रमादेवी, एमपीडीओ ने सभा को संबोधित किया

1098 पर संदेश फैलाने के लिए आयोजित "अग्रसेन रन 1098" में बच्चों के साथ **चाइल्डलाइन बंगलौर** की टीम ने भी बड़े जोश से भाग लिया

FEAR OVER THE CITY

The rape of a six-year-old girl in a Bangalore school has exposed the extreme vulnerability of children in Indian schools, which operate without an enforceable protocol on child protection. Even after the Delhi gang rape and many other gruesome incidents, a safe environment for women and children remains a distant goal. Half measures have not helped

Divya Gandhi

To the chilling timeline of child rape in India was recently added the sexual assault on a six-year-old child by her teacher in a Bangalore school.

The Class One student was raped in a storeroom on the campus allegedly by the school's skating instructor, who, it later emerged, had been sacked from his previous school for abusing children there. On his laptop and mobile phone were video downloads of children being raped.

The incident exposed the extreme vulnerability of children in Indian schools, which operate without an enforceable protocol on child protection, sparking massive protests, and prompting the Karnataka government to issue a 70-point guideline for schools in the State.

This was the second case of child rape in less than two months in an Indian school that made national and international headlines. On May 29, the horrific ordeal of underprivileged children in a boarding school in Karjat city of Maharashtra came to light. The owner of the school allegedly raped them and made them watch pornographic films and act them out with one another. When they refused to obey him, they were fed faeces.

Of the 38,868 reported cases of child rape recorded by the National Crime Records Bureau from 2009 to 2012 around the country, the biggest share, by all accounts, is of children raped in their own homes or neighbourhood. A good proportion also comes from children's shelters, schools and juvenile homes — places where children congregate and spend most of their time outside home, says Vidya Reddy, director, Tulir Centre for the Prevention and Healing of Child Sexual Abuse, Chennai.

Making schools safer

Without a "child protection policy", institutions that have an obligation to ensure a child's well-being can turn into sites of their abuse, not least by figures of authority. Child sex offenders are often "professional perpetrators" who seek out working environments where they have easy access to children, much like what happened in the Bangalore school, she says.

An enforceable child protection policy will ensure the safety of children in ways which existing laws do not: that is, create a safe environment that prevents abuse from happening in the first place, says Swagata Raha, a senior legal Research Assistant at the Centre for Child and the Law, National Law School of India University, Bangalore.

As comprehensive as the Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act, 2012 is, this recent law, along with provisions of the Right to Education Act and the Juvenile Justice Act, prescribe punitive action for crimes against children — but not measures that safeguard against them.

"A child protection policy is not yet a requirement in any law. But such a policy or protocol is essential to create a safe and enabling environment for children," Ms. Raha says.

Sexuality education

This could include protocols to be followed while hiring non-teaching and teaching staff and training teachers on how to administer modules in life skill and sexuality education so young children are empowered with a vocabulary to articulate abuse. Teachers and other staff need also be trained to detect signs of child abuse and to encourage children to report abuse suffered even outside the school, she added.

Much like the Vishaka Guidelines issued by the Supreme Court to prevent sexual harassment at the workplace (now formalised as the Sexual Harassment of Women at Workplace [Prevention, Prohibition and Redress] Act, 2012), a similarly enforceable set of guidelines for children's educational and residential facilities may be one solution, says Shubhada Maitra, Professor at the Centre for Health and Mental Health, School of Social Work, Tata Institute of Social Sciences, Mumbai. "Schools should ideally have an internal complaints committee similar to those prescribed by the Vishaka Guidelines, representing parents, students, teachers and experts from outside with powers for inquiry and dismissal of staff when there are allegations of abuse," she says.

Reinventing the wheel?

But what of existing laws? Laws and their provision that govern child abuse need to be implemented before we "reinvent the wheel", Ms. Reddy says. For instance, the Juvenile Justice Act mandates State governments to form inspection committees to monitor regularly the hundreds of juvenile justice homes in the country. Yet, most States do not even have functional committees, says a 2013 report by the Asian Centre for Human Rights.

The report describes these homes as "hell-holes" where "inmates are subjected to sexual assault and exploitation, torture and ill treatment." The perpetrators, again, were largely people in authority — managers, directors, owners and their relatives and friends.

Similarly, a year and a half after the POCSO Act was enacted prescribing penalties for every barbaric form of sexual abuse against children and chalking out special guidelines for the judiciary, police and medical practitioners to follow, children are not quite protected from the aggressive nature of the legal process

16 poor girls rescued from Berhampur railway station

Staff Reporter

BERHAMPUR: Childline activists rescued 16 girls from Berhampur railway station on Friday evening while they were allegedly being transported outside Odisha.

According to the coordinator of Berhampur Childline, Prabhu Prasad Patra, out of the rescued girls eight were under 14 years of age.

Only two of them were above 18 years. All of them were from Ganjam district. Eight of them were from Sorada block, while the rest were from Digapahandi and Kukudakhandi blocks. All of them were from poor families and had been lured by promise of good job in Secunderabad in Telangana.

Two of the alleged accused were nabbed while a third person managed to escape.

All the rescued girls have been kept on the premises of Berhampur Childline. The girls, who are under 18 years of age, would be produced before the Ganjam district Child Welfare Committee (CWC) and arrangements would be made for their return to their homes.

The Berhampur Childline had received a call from a person who alleged that some suspicious persons seemed to be taking a group of girls to the railway station. Activists of the Childline immediately reached the station and rounded up the girls who had been kept in two groups.

It may be noted that similar rescue operations have been undertaken in the past in Berhampur which has become a major transit point for child traffickers operating in south Odisha districts, said State convenor of Campaign Against Child Labour (CACL) Sudhir Sabat.

He lamented that lack of coordination among different departments was a major hindrance in curbing child trafficking. According to him, in most cases due to lack of strict action against traffickers, the persons involved in the racket were repeating their offence without any fear.

Whatever happened to our rights, children ask

Times News Network

Bangalore: "Are we garbage to be thrown away? Are we not citizens of this country?" These are the questions buried in the minds of underprivileged children like 10-year-old Manoj K (name changed). Recently they got a chance to express their frustrations over the state of affairs and pose difficult questions to government officials and elected representatives.

As many as 105 underprivileged children — all aged below 16 — came together for a Makkala Area Sabha (children's area meeting) held in the city recently.

The event, first of its kind in the city, was held in HBR Layout, Sarvagnanagar, northeast Bangalore. It brought children face to face with government officials and elected representatives.

NO KIDS PLAY, THIS: 105 enthusiastic kids attended the children's area meeting

The children highlighted issues such as abuse they face when people in their community take to alcohol, lack of support for their education — with no lights to study — lack of water supply, poor sanitation and equally poor health conditions. They also raised the hard-hitting issues such as their vulnerability to water and mosquito-borne diseases and lack of bath and toilet spaces.

The event was organized by the Bhima Sangha (union of working children) in partnership with the Concerned for Working Children (CWC).

The significance of the event was that the issues were identified, documented and put forth by children themselves. They also used drawings to portray the problems they faced everyday. To further their point, they released balloons representing child rights. The messages were: "We are told we have many rights, but the issues we face shows that the rights are either inaccessible to us or do not exist. Like the balloons floating above us, we cannot access them. Are we not citizens of this country?"

Kavita Ratna, director, Advocacy, CWC, said, "It is good to see kids from the marginalized community voice their grievances and demand their rights."

Various programmes initiated for protection of child rights

NEW DELHI, AUGUST 2

With a view to ensure protection of child rights and ensuring best interest of the child, the State Child Protection Society (SCPS) has initiated a number of welfare programmes related to creating awareness and dissemination of information on the issues of child care protection.

Principal Secretary (Social Welfare and Women and Child Development) Satbir Silas Bedi informed that around 6,000 to 6,800 children have been benefitted through different schemes and programmes.

The SCPS has suggested effective use audio-visual aids for prevention of child sexual abuse. "We create mass awareness on the subject. The family, schoolteachers, community and stakeholders need to be sensitized on the issue of child abuse and how it can be prevented," Bedi said. — TNS

Minor trafficked, raped by auto driver, dumped in Gurgaon

CRIME 14-year-old trafficked from a Jharkhand village to work as a maid in Delhi

Saurav Roy

RANCHI/NEW DELHI: A 14-year-old girl, who was allegedly trafficked from a Jharkhand village to Delhi in order to work as a domestic help, was sexually assaulted by an auto driver. The girl was abandoned near MG Road metro station in Gurgaon on Sunday.

The alleged victim is unable to disclose the location of her employer. She told the police that her employer's neighbour, an auto driver, took her to Gurgaon and raped her there.

"The minor victim informed the police that she was brought to Delhi with a few more girls. After reaching the Capital, the trafficker placed all the girls, including her, in different households as domestic help," said Rishi Kant, an activist with Shakti Vahini NGO, which rescued the girl.

The girl in her statement to the Child Welfare Committee (CWC) said that she had to do all the household work, including baby sitting.

The girl said the driver had sexually assaulted her many times before. She said he took her to a secluded place in Gurgaon, raped her and later dumped her near a metro station.

> THE MINOR VICTIM INFORMED THE POLICE THAT SHE WAS BROUGHT TO DELHI WITH A FEW MORE GIRLS. AFTER REACHING THE CAPITAL, THE TRAFFICKER PLACED ALL THE GIRLS IN DIFFERENT HOUSEHOLDS AS DOMESTIC HELP.
> RISHI KANT, an activist

Gurgaon ACP (DLF) Dalbir Singh said, "We have registered the case under section 376 of the IPC and the POCSO Act against the accused on Sunday at Sector 29 police station. The victim alleged she had met the person in Delhi and he took her to a park in Gurgaon where he sexually assaulted her. Though she worked in Delhi as a domestic help, she cannot identify the location or recall the name of her employer."

"We are conducting investigations as earlier the victim did not speak up; it was only after the doctor confirmed rape that she narrated the story to us," he added.

After her rescue, the girl was taken to the Child Welfare Committee (CWC), where she was medically examined and later sent to a shelter home. The Jharkhand police will be sending a team to Delhi within two days to bring back the minor.

Gumla Superintendent of Police, Bheemsen T said, "We got the information on Monday and a team will be sent by Wednesday to bring the girl back."

(WITH INPUTS FROM HTC, DELHI, GURGAON)

PAEDOPHILES ON THE PROWL

Are schools doing enough to ensure child safety?

CASE 1: A six-year-old girl child was sexually assaulted by two teachers on the campus of an elite school on July 2. One of the alleged accused, a skating teacher, was arrested by police recently.

CASE 2: A government school teacher in Bangalore was arrested for sexually abusing around 18 girls in the school for a year. The teacher is out on bail now.

CASE 3: A couple recently sought help from Childline (a country-wide NGO that helps children in times of emergency, through its toll-free number 1098) after their minor son told them that his lady teacher sexually abused him in front of his classmates after asking him to take off his pants.

CINEMA TO EDUCATE AND SENSITIZE ON CHILD ABUSE

MONITOR MOVEMENTS OF PAEDOPHILES

CONTINUED ON PAGE 23

■ Rising concern after recent rise in sexual assault cases

Child helplines flooded with calls, parents running scared

THE CHILD HELP LINE (1098) IS BEING INUNDATED WITH CALLS FROM ANXIOUS MOMS WHO WANT TO KNOW HOW TO SAVE THEIR KIDS. PARENTS ARE ASKING FOR INFORMATION ABOUT WHERE THEY CAN GET COUNSELING/ SUPPORT TO CREATE AWARENESS AMONG THEIR CHILDREN

Hoax calls

Tough task

चाइल्ड लाइन सप्ताह में करवाए हस्ताक्षर

औरंगाबाद

चाइल्ड लाइन दोस्ती सप्ताह के तहत शुक्रवार को स्टेशन चौराहे पर हस्ताक्षर अभियान शुरू किया गया।

कार्यक्रम के परियोजनासमन्वयक ने बताया कि सप्ताह के दूसरे दिन प्रात: 10 बजे स्टेशन चौराहे पर आने-जाने वाले राहगीरों व यात्रियों सहित शहरवासियों को चाइल्ड लाइन की जानकारी देकर उनसे हस्ताक्षर अभियान के तहत इसमें भागीदारी निभाने का आग्रह करते हुए इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर बाल विकास समिति की अध्यक्ष डॉ. सुमन त्रिवेदी सहित कई वरिष्ठ एवं सामाजिक कार्यकर्ता आदि ने भी हस्ताक्षर किये।

THE TIMES OF INDIA, THIRUVANANTHAPURAM | KOLLAM
TUESDAY, JULY 8, 2014

Six minor boys rescued from Tvpm confectionary

TIMES NEWS NETWORK

Thiruvananthapuram: Six boys forced into child labour were rescued from a confectionary unit at Konchiravila near Manacaud here on Monday.

Childline workers, who carried out the rescue operation, said the confectionary, AA Brand, had employed several more children, and the police and labour department officials would soon confirm the number of minors working there.

The rescued children, three of them below 15 and two aged 16, hailed from Tirunelveli in Tamil Nadu. The confectionery has been run by Tamil Nadu natives.

The rescue once again brought to fore the role of agents supplying minors to various units. "This is yet another case of child trafficking," Kerala Childline Forum convener Fr Joye James said. He said the repatriation of rescued children was a tough task as the CWCs in many states were inactive.

"There is no proper monitoring by CWCs in Bihar, Odisha, West Bengal and Jharkhand. Within a week, we are planning to write to the National Human Rights Commission to ensure that these states have proper CWCs to aid in repatriation of the rescued children," he said.

The rescued children have been lodged at the Don Bosco shelter home and would be produced before the child welfare committee on Tuesday. Though bruises were found on the boys, they denied subjected to any harm.

Meanwhile, two other children—aged 12 and eight—forced to work in an Aluva confectionary have also been lodged at Don Bosco. Their parents, from Thiruchendur in Tamil Nadu, could not produce documentary evidence to prove the kids were their children, and were hence refused custody of the children.

> The rescued children, three of them below 15 and two aged 16, hailed from Tirunelveli in Tamil Nadu

शिमला, वीरवार, 20 नवम्बर 201

दैनिक सवेरा टाइम्स

बच्चों के अधिकारों के लिए 2500 लोगों ने किए हस्ताक्षर

शिमला,19 नवंबर (पूर्ण) : 'चाइल्ड लाइन से दोस्ती' कार्यक्रम के तहत शिमला के रिज मैदान पर बच्चों के संरक्षण एवं अधिकारों के लिए दो दिवसीय हस्ताक्षर अभियान में 2500 लोगों ने हस्ताक्षर किए।

चाइल्ड लाइन शिमला द्वारा आयोजित इस जागरुकता अभियान में मंगलवार को 1500 के करीब लोगों ने हस्ताक्षर किए थे। चाइल्ड लाइन शिमला की समन्वयक मीनाक्षी ने बताया कि इस कार्यक्रम में हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम की रिपोर्ट उन्होंने चाअल्ड लाइन इंडिया फाऊंडेशन को भेज दी है।

Schools Fail to Comply with GO on Children's Welfare

Express News Service

Kochi: More than 50 per cent of the schools in Ernakulam, including government and private schools, do not comply with the suggestions put forward in a recent government order to make schools child friendly, according to a survey conducted by the Childline.

The survey was conducted at 1287 of the 1381 schools functioning in the Ernakulam district, in association with the Rajagiri School of Engineering and Technology.

Posters showing the helpline number of the Childline have been displayed only at 41 percent of the schools. Meanwhile, 28 percent of the schools are yet to receive the posters, which are to be distributed by the District Education Office. Posters are not displayed at CBSE/ICSE schools, the survey report says.

Though complaint boxes have been installed at 69 percent of the schools the facility is used effectively at 45 percent of the schools only. Since most of the complaint boxes are installed in front of the office of the headmaster or the staff room, the children are reluctant to drop their complaints, it says. Most of the school managements justify themselves, saying that they had not received any official communication regarding the complaint box. Of the 1728 schools, vigilance committees function at 732 schools and Student Police functions at 139 schools. The 'Our responsibility to Children Committees' function at 431 schools.

Meanwhile, office-bearers of the Indian Council of Social Welfare (Kerala) submitted a memorandum before the Chief Minister, urging him to allot festival allowance to volunteers of the Childline, Jalanidhi, and support organisations of the Kerala State Aids Control Society.

चाइल्डलाइन फेसबुक पर

Find us on Facebook

Facebook.com/childline-India-Foundation

Get updated with the latest news and happenings at CHILDLINE. Follow us, share, comment and discuss.

Support our cause! Visit the CHILDLINE website
www.childlineindia.org.in

Like us!

Twitter Buzz

Join the converstaion!

Follow us on Twitter
https://twitter.com/CHILDLINE1098

CHILDLINE across the country

CHILDLINEfamily

Government Partners

Ministry of Women and Child Development, Department of Telecommunications, Ministry of Health, Railway Ministry, Department of Social Defence/ Social Welfare.

NGO Partners

East

Agartala [Voluntary Health Association of Tripura, Tripura Council for Child Welfare, Tripura Adibasi Mahila Samity],**Andaman** [Dweep Prayas (Collab, Dweep Prayas (support)], **Aizwal** [Centre for Peace and Development, **Bhadrak**[Society for Weaker Community, Pragati Jubak Sangha] **Balasore** [Bapuji Seva Sadan, Alternative for Rural Movement, Aswasana],**Behrampur** [Indian Society for Rural Development, National Institute for Rural Motivation Awareness & Training Activities],**Bhagalpur** [Disha Gramin Vikas Manch, Naugachia Jan Vikas Lok Karyakram, Utkrishta Seva Sansthan],**Birbhum**[Elmhirst Institute of Community Studies, Jayaprakash Institute of Social Change, Rampurhat Spastics and Handicapped Society],**Bhubaneswar** [Ruchika Social Service Organisation, Bhairabi Club],**Bilaspur** [Samarpit, Shikhar Yuva Manch],**Bolangir** [ADHAR, KALYAN, Youth Services Centre], **Bankura**[Shamayita Math],**Burdwan** [Asansol Burdwan Seva Kendra, Jayprakash Institute of Social Change (Asansol), Jayprakash Institute of Social Change (Katwa)],**Buxar**[Gramin Sansadhan Vikash Parishad, Disha Ek Prayas],**Chaibasa** [Society for Reformation and Advancement of Adivasis],**Cooch Behar** [Society for Participatory Action and Reflection (SPAR), Haldibari Welfare Organization],**Cuttack** [Open Learning System, Basundhara],**Dakshin Dinajpur** [Society for Participatory Action and Reflection],**Darbhanga** [East & West Educational Society, Kanchan Seva Ashram, Sarvo Prayas Sansthan, Gramoday Veethi (Keoti) , Gramoday Veethi (Singhwara), Gyan Seva Bharti Sansthan],**Darjeeling** [CINI – North Bengal Unit, Kanchanjungha Uddhar Kendra Welfare Society, Bal Suraksha Abhiyan],**Deoghar** [Gram Jyoti, Network for Enterprise Enhancement and Development Support (NEEDS), Young Action for Mass, India (YAM, India)], **Dhalai**[Prabha Dhalai],**Dhanbad** [Bhartiya Kisan Sangh, Gram Praudyigik Vikas Santhan (Nirsa), Gram Praudyigik Vikas Sansthan (Tundi)],**Dibrugarh** [North East Society for the Promotion of Youth and Masses (NESPYM)],**Dimapur** [Prodigals Home, Community Educational Centre Society],**Durg** [LokShakti Samaj Sevi Sansthan,],**Gaya** [People First Educational Charitable Trust],**Guwahati** [Indian Council for Child Welfare (ICCW), National Institute for Public Cooperation & Child Development (NIPCCD)],**Hooghly** [Satya Bharati],**Howrah** [Don Bosco Ashalayam],**Imphal** [Department of Anthropology, Manipur Mahila Kalyan Samity (MMKS)],**Itanagar** [Don Bosco School], **Jagdalpur**[Bastar Samajik Jan Vikas Samiti], **Jalpaiguri** [Jalpaiguri Welfare Organisation, Ananda Chandra College],**Jashpur** [Samarpit- Centre for Poverty Alleviation and Social Research],**Jowai** [Jantai Hills Development Society],**Kailashahar** [Blind & Handicapped Association, Pushparaj Club],**Kandhamal** [Banabasi Seva Samity], **Katihar**[Bal Mahila Kalyan, Welfare India,],**Kishanganj** [East & West Educational Society, Cresent Educational & Welfare Trust, Nilu Jan Vikas Sansthan, Koshi Gramin Vikas Santhan Araria, Compeering Society for Social Work and Research Network], **Kohima**[Nagaland Voluntary Health Association] **Kolkata** [CINI ASHA, City Level Programme for Street & Working Children, Loreto Day School - Sealdah, Bustee Local Committee & Social Welfare Centre, Institute of Psychological & Educational Research],**Lakhimpur** [Dikrong Valley Environment & Rural Development Society],**Malda** [Haiderpur Shelter of Malda, Chanchal Jankalyan Samity],**Mayurbhanj** [Rural Development Action Cell (RDAC), Centre for Regional Education Forest & Tourism Development Agency],**Murshidabad** [Palsapally Unnayan Samity, CINI- Murshidabad Unit, Gorabazar Shahid Khudiram Pathagarh],**Muzaffarpur** [National Institute for Rural Development Education Social Upliftment and Health (NIRDESH), Mahila Development Centre, Gramin Jan Kalyan Parishad, Hanuman Prasad Gramin Vikas Samity], **Nabarangapur**[Socio-Economic Development Programe, Society for Agriculture, Health & Education, Animal Husbandary & Rural Developmental Action (SAHARA)],**Nadia** [Sreema Mahila Samity, Chapra Social and Economic Welfare Association],**Nagaon** [Gram Vikas Parishad, Sadau Asom Gramya Puthibharal Santha],**North 24 Parganas** [Centre for Communication and Development, Dhagagia Social Welfare Society, North 24 Parganas Sammyao Sramagivi Samiti, Khalisady Anubhab Welfare Association, Joygopalpur Youth Development Center, Charuigachhi Light House Society, Katakhali Empowerment & Youth Association, Sayestanagar Swanirvar Mahila Samity],**Pakur** [Bhartiya Kisan Sangh, Jan Lok Kalyan Parishad, Gramin Vikas Kendra, Lok Kalyan Seva Kendra, Tagore Society for Rural Development, Aman Samaj Kalyan, Jharkhand Vikas Parishad],**Paschim Medinipur** [Prabuddha Bharati Sishu Tirtha, Vidyasagar School of Social Work, Chak-Kumar Association for Social Service],**Patna** [Balsakha, East & West Educational Society, Nari Gunjan],**Purba Medinipur** [Vivekananda Lok Siksha Niketan],**Puri** [Rural and Urban Socio Cultural Help],**Purnea** [Tatvasi Samaj Nyas (Collab), Tatvasi Samaj Nyas (sub centre), Akhil Bhartiya Gramin Vikas Parishad, Parivesh Purna Jagran Sansthan], **Purulia** [Centre for Environmental & Socio Economic Regeneration, Manipur Leprosy Rehabilitation Centre],**Raigarh** [Lok Shakti Samiti],**Raipur** [Sankalp Sanskritik Samiti, Chetna Child & Women Welfare Society], **Rajnandgaon** [Srijan Samajik Sanstha],**Ranchi** [The National Domestic Workers Welfare Trust,Xavier's Institute of Social Service, Chotanagpur Sanskritik Sangh],**Rayagada** [Sakti Social Cultural & Sporting Organisation, Palli Vikash],**Rourkela** [Disha, Community Action for the Upliftment of Socio-Economically Backward People (CAUSE)],**Saharsa** [Anusuchit Jati / Anusuchit Janjati Kalyan Samiti, Mimansa Kalyan Samiti, Kosi Sewa Sadan], **Sambalpur** [ADARSA, Rural Organisation for People's Empowerment, ASHA], **Silchar** [Deshbandhu Club, Rajiv Open Institute],**Sitamarhi** [Pratham Mumbai Education Initiative(Parihar), ADITHI, Pragati Ek Prayas, (Sonbarsa), Pragati Ek Prayas (Riga),],**South 24 Parganas** [Sabuj Sangha, CINI-Diamond Harbour Unit, School of Women's Studies (Jadavpur University)],**Tura** [Bakdil],**Udaipur** [Organization for Rural Survival], **Uttar Dinajpur** [CINI Uttar Dinajpur Unit], **Vaishali** [Swargiya Kanhai Shukla Samajik Sewa Sansthan, Narayani Seva Sansthan, LAKSHYA, Vaishali Samaj Kalyan Sansthan,], **West Champaran**[Jan Vikas, Berojgar Sangh Valmikinagar, Sarvodaya Pustakalaya Sikshan Evam Vikas Sanstha].

North

Agra [Childhood Enhancement through Training & Action)],**Ajmer** [DISHA-Roman Catholic Diocesan Social Service Society, Rajasthan Mahila Kalyan Mandal, Grameen Evam Samajik Vikas Sansthan, Mahila Jan Adhikar Samiti, Gharib Nawaz Mahila Awam Bal Kalyan Samiti], **Aligarh** [UDAAN Society], **Alwar** [Nirvanavan Foundation],**Ambala** [Zilla Yuva Vikas Sanghatan],**Amritsar** [Navjeevan Charitable Society for Integral Development], **Baharaich** [Pratham, Developmental Association for Human Advancement, Bhartiya Gramothan Seva Sansthan],**Balia** [Navbhartiya Nari Vikas Samity],**Banda** [Chitrakoot Jan Kalyaan Samiti],**Barmer** [Dhara Sansthan, Gramin Vikas Sansthan], **Bareilly**[Deep Jan Kalyan Samiti] **Bharatpur** [Disha Foundation],**Bhilwara** [CUTS CHD],**Bikaner** [Urmul Trust, Urmul Jyoti Sansthan, Urmul seemant samiti, Urmul Setu Sansthan],**Chamba** [Education Society], **Chamoli**[Himad Samiti (Himalayan Society For Alternative Development), Jai Nanda Devi Swarojgar Shikshan Sansthan],**Chandigarh** [Youth Technical Training School],**Dehradun** [Mountain Children's Foundation],**Delhi** [Salaam Baalak Trust, Don Bosco Ashalayam, Delhi Brotherhood Society, Prayas, Butterflies],**Dungarpur** [Rajasthan Bal Kalyan Samiti, Bhoruka Charitable Trust, Muskan Sansthan],**Faridabad** [Nav Srishti], **Faridkot** [Natural's Care],**Firozabad** [Chirag Society], **Ferozepur**[Lala Fateh Chand Brij Lal Educational Society],**Gautam Budh Nagar** [FXB India Suraksha, SADRAG, Association for Welfare Social Action & Research India],**Ghaziabad** [Asha Deep Foundation],**Gorakhpur** [DISA, Purvanchal Gramin Seva Samiti], **Gurdaspur**[District Child Welfare Council],**Gurgaon** [Shakti Vahini], **Haridwar** [Shri Bhuvneshwari Mahilla Ashram],**Jaipur** [I-India, Jan Kala Sahitya Manch Sanstha, Institute for Development Studies], **Jaisalmer** [CECOEDECON],**Jalandhar** [**Nari** Niketan Trust],**Jammu** [Indian Red Cross Society, University of Jammu], **Jodhpur**[Jai Bhim Vikas Shikshan Sansthan] **Kangra** [Urban Tribal & Hills Advancement Society],**Kanpur** [Subhash Children's Society],**Kannauj** [Warsi Sewa Sadan],**Karnal** [District Council For Child Welfare Bal Bhawan, Karnal],**Kaushambi** [Vaishno Gram Vikas Sewa Samiti, Kamla Gram Vikas Sansthan, Jan Kalyan Mahasamiti],**Kota** [Alarippu, Rajasthan State Bharat Scouts & Guides],**Lakhimpur Khiri** [PACE, Chitranshu Samaj Kalyan Parishad],**Lucknow** [Human Unity Movement, National Institute for Public Cooperation and Child Development],**Ludhiana** [Swami Ganga Nand Bhuri Wale International Foundation],**Maharajganj** [Vikalp, Srishti Seva Sansthan, Purvanchal Gramin Seva Samiti],**Manali** [HP Mahila Kalyan Mandal, Himalayan Friends],**Mandi** [Society for Rural Development and Action],**Meerut** [Janhit Foundation],**Moradabad** [Society for All Round Development],**Nainital** [Vimarsh], **Pali[Gram Vikas Seva Sansthan], Panipat** [Gandhi Smarak Nidhi],**Pathankot** [Dr. Sudeep Memorial Charitable Trust, Saint Francis Home],**Patiala** [Navjivini School of Special Education], **Poonch**[National Development Foundation], **Pithoragarh**[Association for Rural Planning and Action, Vardan Sewa Sanstha], [Gomati Prayag Jan Kalyan Parishad],**Rohtak**[Bharat Gyan Vigyan Samiti], **Rupnagar**[Association for Social & Rural Advancement],**Saharanpur**[Bharat Sewa Sansthan], **Sawai Madhopur**[Samantar- Centre for Cultural Action And Research], **Shimla** [Himachal Pradesh Voluntary Health Association],**Siddharth Nagar** [Shohratgarh Environmental Society (SES)], **Sirmaur**[Peoples Action for People in Need], **Sirsa**[DISHA],**Solan** [Himachal Pradesh Voluntary Health Association],**Srinagar** [Human Efforts for Love & Peace Foundation],**Tonk** [Shiv Shiksha Samiti],**Udaipur** [Seva Mandir, Udaipur School of Social Work], **Uttarkashi** [Shri Bhuvneshwari Mahila Ashram, Tarun Paryavaran Vigyan Sanstha], **Varanasi** [Gandhi Adhyanpeeth, Association for the Socially Marginalzed's Integrated Therapeutic Action (ASMITA)],**Yamuna nagar** [Utthan Institute of Development and Studies].

West

Ahmedabad [Ahmedabad Study Action Group, Gujarat Vidyapith],**Ahmednagar** [Snehalaya],**Akola** [Indian Institute of Youth Welfare],**Amravati** [Shree Hanuman Vyayam Prasarak Mandal],**Anand** [Tribhuvandas Foundation],**Baroda** [Baroda Citizens Council, Faculty of Social Work, MS University],**Beed** [Manavlok,Yuva Gram Vikas Mandal],**Betul** [Pradeepan],**Bhavnagar** [Shaishav],**Bhind** [Mahila Bal Vikas Samiti (India)],**Bhopal** [Advocacy for Alternative Resources Action Mobilization & Brotherhood, The Bhopal School of Social Sciences], **Buldhana** [Savitribai Phule Mahila Mandal, Mahatma Phule Samaj Sewa Mandal],**Chandrapur**[Mahila Vikas Mandal], **Chhindwara**[Jan Mangal Sansthan],**Dadra Nagar & Havelli** [Indian Red Cross Society],**Dewas** [Jan Sahas Social Development Society],**Goa** [Nirmala Education Society, Vikalp Trust, Caritas-Goa],**Guna** [Kalpataru Vikas Samiti],**Gwalior** [Centre for Integrated Development],**Harda** [Synergy Sansthan],**Indore** [Indore School of Social Work Aim for Awareness of Society-AAS], **Jabalpur** [Jabalpur Diocesan Welfare Society], **Jhabua** [Jeevan Jyoti Health Service Society, Sampark Samaj Sevi Sanstha],**Jamnagar** [Late J.V. Naria Education & Charitable Trust],**Kalyan** [Aasara], **Katni** [MP Bharat Gyan Vigyan Samiti] **Khandwa** [Aastha Welfare Society],**Kolhapur** [Sangli Mission Society],**Kutch** [Marag, Saraswatam, Yusuf Meherally Centre], **Kheda**[Kaira Social Service Society, Shri Vadlals S. Gandhi Charitable Trust (Kapadvanj],**Latur** [Kala Pandhari Magasvargiya And Adivavasi Vikas Sanstha],**Mandsaur** [Vikalp Samajik Sansthan],**Mandla** [National Institute Of Women Child And Youth Development, Kamyab Yuva Sanskar Samiti],**Mumbai** [CHILDLINE India Foundation (Nodal), Youth for Unity and Voluntary Action, Committed Communities for Development Trust, Hamara Foundation, Navniman Samaj Vikas Kendra],**Nagpur** [Matru Seva Sangh, Institute of Social Work, Bapuji Bahujan Samaj Kalyan Bahuddeshiya Sanstha, VARDAAN, Indian Association of Promotion of Adoption, Indian Centre For Integrated Development],**Nanded** [Pariwar Pratisthan],**Nashik** [Navjeevan World Peace & Research Foundation, College of Social Work],**Osmanabad** [Shri Kulswamini Shikshan Prasarak Mandal (Collab), Shri Kulswamini Shikshan Prasarak Mandal (Sub centre)],**Panch Mahal**[Developing Initiative for Social and Human Action],**Parbhani** [Socio Economic Development Trust (SEDT)],**Pune** [Dnyana Devi],**Raigad**[Disha Kendra, The Planning Rural Urban Integrated Development Through Education India],**Raisen** [Institute of Social Research & Development, Krishak Sahyog Sansthan],**Rajkot** [Shri Pujit Memorial Trust],**Ratlam** [Savigya, Samarpan Care Awareness & Rehabilitation Center],**Ratnagiri** [M.S. Naik Foundation],**Rewa** [Ramashiv Bahuudaesheya Vikas Samiti],**Sagar** [Manav Vikas Seva Sanga], **Satara** [Lokkalyan Charitable Trust] ,**Satna**[Samaritan Social Service Society], **Surendranagar**[Ganatar], **Sheopur**[Mahatama Gandhi Seva Asharam, Sahyog-Support In Development],**Shivpuri** [Parhit Samaj Sevi Sanstha, RACHNA],**Sholapur** [Walchand College of Arts & Science],**Surat** [Pratham],**Sindhudurg** [Atal Pratisthan, Jagruti Foundation, Jan Jagruti Sansth],**Thane** [Salam Balak Trust],**Ujjain** [Kripa Social Welfare Society, Madhya Pradesh Institute of Social Science & Research],**Valsad** [Pratham],**Vidisha**[Vidisha Social Welfare Organization],**Wardha** [National Institute of Women, Child and Youth Development, Aniket College of Social Work],**Yavatmal** [Gramin Samassya Mukti Trust].

South

Adilabad [MAHITA], **Alappuzha** [The Allepey Diocesan Charitable and Social Welfare Society],**Anantapur** [Women's Development Trust, Human And Natural Resources Development Society, Praja Seva Samaj], **Bangalore** [Association for Promoting Social Action, Bangalore Oniyavara Seva Coota, Child Rights Trust],**Belgaum** [United Social Welfare Association],**Bellary** [Centre For Rural Development, Bellary Diocesan Development Society, Don Bosco-The Hospet Salesian Society, Rural Education & Action Development, Society for Integrated Community Development],**Bidar** [Sharada Rudseti Institution, Don Bosco Youth Empowerment Services, Sahayog, Dr. B. R. Ambedkar Cultural & Welfare Society, ORBIT], **Bijapur**[Ujjwala Rural Development Service Society], **Chennai** [Indian Council for Child Welfare, Don Bosco Anbu Illam, Asian Youth Centre], **Chittoor** [Rural Organization for Poverty Eradication Services, Academy of Gandian Studies],**Coimbatore** [Don Bosco Anbu Illam],**Cuddalore** [Indian Council for Child Welfare],**Davangere** [Adarsha Samaja Karya Samsthe, The Don Bosco Charitable Society, SPOORTHY, Kolache Pradesha Parisara Parivarthane Mathu Halligala Abhivrddi Samsthe,] ,**Dharmapuri** [Thencodu Federation society, Don Bosco College, Hebron Caring Society for Children],**Dharwad** [Belgaum Diocesan Social Service Society,Sneha Education & Development Society, Socio-Economic Education Development Action, Karmani Grameena Seva Pratishtan, Kalyana Kiran Social Service Institution],**Dindigul** [Dindigul Multipurpose Social Service Society, CEDA Trust, Mutual Education for Empowerment and Rural Action],**Eluru** [Social Service Centre, Department of Social Work-DNR College], **Erode**[Centre for Education and Empowerment of the Marginalized],**Gulbarga** [Seth Shankarlal Lahoti Law College, Don Bosco PYAR, Margadarshi],**Guntur** [Good Shepherd Convent, Social Educational and Economic Development Society],**Hassan** [PRACHODANA (Centre for Social Service)],**Hyderabad** [Divya Disha, Society for Integrated Development in Urban and Rural Area],**Idukki** [Marian College Kuttikanam, Voluntary Organization for Social Action and Social Development (Collab), Voluntary Organization for Social Action and Social Development (sub centre), Vijayapuram Social Service Society],**Kanchipuram** [Hand in Hand, Association for Community Development Service],**Kannur** [Don Bosco College, Tellichery Social Service Society, Association for the Welfare of Handicapped],**Kanyakumari** [Kottar Social Service Society, Holy Cross College],**Karaikal** [Social Need Education and Human Awareness (SNEHA)],**Karimnagar** [Pratham Education Initiative],**Karur** [Psychological and Community Health Organization Trust], **Kasargod** [Mar Thoma College of Special Education, People's Action for Non Formal Education & Development in Technology], **Khammam**[Society for Community Participation & Education in Rural Development (SCOPE-RD), Centre for Action on Disabled Rights & Empowerment (CADRE)],**Kochi** [Don Bosco Sneha Bhavan, Rajagiri College of Social Sciences],**Kodagu** [Coorg Organization for Rural Development],**Kolar** [MANASA Centre for development and social action],**Kollam** [Quilon Social Service Society, Quilon Don Bosco Society, Punalur Social Service Society],**Koppal** [Sarvodaya Integrated Rural Development Society, Pastoral Sociology Institute],**Kottayam** [Bishop Choolaparambi Memorial Outreach Joint Action to Strengthen Society (BCM OJASS), Vijayapuram Social Service Society (VSSS), We Care Centre],**Kozhikode** [Association for Welfare of the Handicapped, Farook College],**Krishnagiri** [Association for Rural Community Development (ARCOD),**Kurnool**[Sri Parameswari Educational Society],**Madurai** [Madurai Institute of Social Sciences, Sakthi (Vidiyal)],**Mahabubnagar**[Eco-Club (Paryavarana Parirakshana Sanstha, Lambada Hakkula Vedika],**Malappuram** [Pocker Sahib Memorial Orphanage College, Sheshy Charitable Society, Rajagiri Outreach],**Mandya** [Vikasana Institute for Rural and Urban Development, Bheem Integrated Rural Development Society],**Mangalore** [Roshni Nilaya, School of Social Work, PADI],**Medak**[Centre for Action Research and People's Development, Divya Disha],**Mysore** [Organization for the Development of People, Rural Literacy & Health Programme, Nisarga Foundation],**Nagapattinam** [Avvai Village Welfare Society, Society of DMI],**Namakkal** [Leadership through Education and Action foundation Society (LEAF)], **Nizamabad** [Perali Narasiah Memorial Charitable Trust],**Ongole** [HELP],**Palghat** [Preshitha Social Service Society, Mercy College],**Pathanamthhitta** [Bodhana],**Puducherry** [Pondicherry Multipurpose Social Service Society,Integrated Rehabilitation & Development Centre, Pondicherry],**Pudukkottai** [Pudukkottai Multipurpose Social Service Society (PMSSS), Rural Development Organization (RDO), Rural Education for Community Organization (RECO)],**Ramanthapuram** [Tamil Nadu Rural Reconstruction Movement (TRRM), Society for People's Education and Economic Development (SPEED), People's Action for Development (PAD),**Salem** [Don Bosco Social Service Society, Young Women's Christian Association],**Shimoga** [Siddeshwara Rural Development Society, Malnad Social Service Society],**Srikakulam** [Youth Club of Bejjipuram, Bapuji Rural Enlightment and Development Society, Gunna Udatayya Eternal Service Team,(Palasa), Gunna Udatayya Eternal Service Team (Itchapuram), Action in Rural Technology and Services, Bapuji Rural Enlightenment and Development Society],**Thanjavur** [Periyar Maniammai University, Social Health & Education Development India],**Tiruvannamalai** [Rural Education & Development Society, Terre Des Homes Core Trust (Collab), Terre Des Homes Core Trust (sub centre)],**Trivandrum** [Trivandrum Don Bosco Veedu Society, Loyola Extension Services, Trivandrum Social Service Society],**Thiruvallur** [Mass Action Network, Arunodhaya Centre for Street and Working Children, Jeeva Jyothi],**Tirunelveli** [Saranalayam-TSSS],**Thrissur** [St.Christina Holy Angel's Home, Department of Social Work, Vimala College],**Tirupur** [Tirupur Auxilium Salesian Sisters Society], **Theni** [Ambelal Heinrich Memorial Trust, Mahavir Munnetra Sangam, The Society of Sister of The Presentation for the Blessed Virgin Mary]**Trichy** [Department of Social Work - Bishop Heber College, Sisters of the Cross Society for Education And Development],**Tuticorin** [People Action for Development],**Tumkur** [BADUKU], **Vijayawada** [Forum for Child Rights (Collab), Forum for Child Rights (Nodal)], **Villupuram** [Bullock Cart Workers Development Association, Association for Rural Masses (Collab), Association for Rural Masses (Sub Centre) Centre for Coordination of Voluntary Works and Research, Mother Trust, Nambikkai Trust],**Virudh Nagar** [Resource Centre for Participatory Development Studies, Society for People's Education & Economic Change (Collab), Society for People's Education & Economic Change (Sub centre), Madurai Multipurpose Social Service Society, Trust for Education & Social Transformation],**Vizianagaram** [Nature],**Vishakhapatnam** [Association for Rural Development and Action Research, UGC-DRS Programme, Department of Social Work,**Warangal** [Pragathi Seva Samithi, Modern Architects for Rural India, Franciscan Missionary of Mary Social Service Society],**Wayanad** [Joint Voluntary Action for Legal Alternatives, Hilda Trust],**YSR Kadapa** [Vijay Foundation Trust, Rural Action in Development Society, Rayalaseema Harijana Girijana Backword Minorities Seva Samajam].

Contributions

CIF Team

Editor

Sudeesh PM

CHILDLINE India Foundation
406, Sumer Kendra, 4th floor, P. B. Marg,
Behind Mahindra Towers, Worli, Mumbai-400 018
Ph: 022-2495 2610 | Fax: 022-2490 3509
www.childlineindia.org.in | Email: dial1098@childlineindia.org.in

CHILDLINE 1098 is a project supported by the Ministry of Women and Child Development (GOI), working in Partnership with state Governments, NGO'S, International Organizations, the Corporate Sector, Concerned Individuals and Children.

BUBBLE DESIGN - design.bubble@gmail.com